PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

दैनिक

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-38 | झुंझुनू (राजस्थान) | रविवार, 28 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जब हम अपने से बेहतर बनने का प्रयास करते हैं, तो हमारे आस-पास की हर चीज़ भी बेहतर हो जाती है।':

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'गिरावट ग्रेविटी की नहीं, इंसानियत की है'

न्यूटन ने जब पेड़ से गिरते सेब को देखकर 'ग्रेविटी' की खोज की थी, तो यह विज्ञान की दिशा बदल देने वाला क्षण था। उसने दुनिया को समझाया कि हर चीज़ का गिरना भी एक नियम है, एक कारण है। लेकिन आज के समय में इंसान हर दिन गिर रहा है – नैतिकता में, संवेदनाओं में, मूल्यों में – और दुख की बात यह है कि इस गिरावट का कोई न्यूटन नहीं, कोई खोजकर्ता नहीं जो इसे समझ सके या रोक सके। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। आज की दुनिया तकनीकी रूप से आगे बढ़ चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर अंतरिक्ष की सीमाओं तक मनुष्य ने अपनी उपलब्धियों के झंडे गाड़ दिए हैं, लेकिन इस तेज़ी से बढ़ती प्रगति के बीच इंसानियत कहीं पीछे छूट गई है। विज्ञान ने हमें उड़ना सिखा दिया, परंतु ज़मीन पर इंसान बनकर चलना भूल गया। हर जगह प्रतिस्पर्धा है, स्वार्थ है, और भावनाओं की जगह गणना ने ले ली है।

हम हर दिन देखते हैं – सड़क पर घायल व्यक्ति की मदद करने के बजाय लोग वीडियो बनाते हैं; झूठ और छल राजनीति का आधार बन गए हैं; रिश्तों में सच्चाई और विश्वास की जगह स्वार्थ और दिखावे ने ले ली है। यह सब 'गिरावट' नहीं तो और क्या है? अंतर बस इतना है कि ग्रेविटी की गिरावट शरीर को नीचे खींचती है, जबकि यह नैतिक गिरावट आत्मा को भीतर से खोखला करती जाती है। इंसान के भीतर की इंसानियत अब बाजार और प्रतिष्ठा की भाषा में तोली जाने लगी है। 'कितना लाभ मिलेगा? ', 'मुझे क्या फायदा होगा?' – यह दो प्रश्न आज हर संवेदनशील कार्य के पहले पूछे जाते हैं। जहां पहले लोग दूसरों के दर्द को महसूस करते थे, अब वही दर्द 'कंटेंट' या 'ट्रेंडिंग न्यूज़' का हिस्सा बन गया है। समाज का यह बदलता स्वरूप भयावह है, क्योंकि जब इंसानियत मरती है तो सभ्यता का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाता है। विज्ञान ने खोज की कि चीज़ें क्यों गिरती हैं, लेकिन किसी ने यह नहीं खोजा कि इंसान क्यों गिरता है। यह गिरावट न तो भौतिक है, न ही प्राकृतिक – यह हमारी चेतना की गिरावट है। यह तब शुरू होती है जब हम अपने भीतर के 'मैं' को इतना बड़ा बना लेते हैं कि उसमें 'हम' की जगह ही नहीं बचती। जब स्वार्थ, लोभ और दिखावे की परतें इंसान के दिल को ढँक लेती हैं, तब वही व्यक्ति दूसरों के दुख पर हंसने लगता है, संवेदनाओं को कमज़ोरी समझने लगता है, और सत्य को अपने हितों के अनुसार मोड़ने लगता है। यह भी सच है कि इस युग में अच्छाई करना आसान नहीं रह गया है। जो सही राह पर चलता है, उसे मूर्ख या आदर्शवादी कहकर हंस दिया जाता है। लेकिन इतिहास गवाह है कि समाज को दिशा देने वाले वही लोग होते हैं जिन्होंने गिरती हुई मानवता को थामने की कोशिश की। चाहे बुद्ध हों, गांधी हों, या फिर कोई साधारण व्यक्ति जो बिना नाम चाहे किसी ज़रूरतमंद की मदद कर दे – यही सच्चे खोजकर्ता हैं, जो इंसानियत की 'खोज' कर रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम फिर से अपने भीतर झांकें। हमें यह सोचना होगा कि हम तकनीकी और भौतिक रूप से जितना ऊपर उठ रहे हैं, क्या उतना ही हम मानवीय रूप से नीचे नहीं गिर रहे? हमें स्कूलों और कॉलेजों में सिर्फ विज्ञान और तकनीक नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और नैतिकता का भी पाठ पढ़ाना होगा। माता-पिता और समाज को यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे अगली पीढ़ी को 'प्रतियोगिता' से अधिक 'सहानुभूति' सिखाएं।

ग्रेविटी हमें नीचे खींचती है, लेकिन इंसानियत हमें ऊपर उठाती है – आत्मिक रूप से, नैतिक रूप से और सामाजिक रूप से। अगर हमने इस गिरावट को नहीं समझा, तो शायद वह दिन दूर नहीं जब विज्ञान सबकुछ समझ लेगा – ब्रह्मांड का रहस्य भी – पर इंसानियत का रहस्य हमेशा अधूरा रहेगा। इसलिए आज जरूरत है एक नई खोज की – 'इंसानियत की खोज' की। यह खोज किसी प्रयोगशाला में नहीं होगी, बल्कि हमारे दिलों में होगी। हमें अपनी सोच में करुणा, अपने व्यवहार में सहानुभूति और अपने कर्मों में ईमानदारी को फिर से स्थान देना होगा। यही वह शक्ति है जो इस युग की सबसे बड़ी गिरावट – इंसानियत की गिरावट – को रोक सकती है। क्योंकि विज्ञान ने यह साबित किया कि हर चीज़ नीचे गिरती है, लेकिन इंसानियत यह सिखाती है कि सच्चा इंसान वही है जो गिरते हुए भी किसी और को संभाल ले।

अरावली में अवैध खनन के खिलाफ 29 दिसंबर से अभियान

अरावली क्षेत्र में नए खनन की मंजूरी नहीं देगी सरकार : सीएम भजनलाल

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । अरावली को लेकर चल रहे विवाद के बीच सरकार ने 29 दिसंबर से अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वन, पर्यावरण और खान विभाग की समीक्षा बैठक में अरावली पर्वतमाला वाले जिलों में अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बैठक में कहा- अरावली पर्वतमाला प्रदेश की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है और राज्य सरकार इसके संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अरावली के स्वरूप के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी।

अरावली में नए खनन को मंजूरी नहीं देगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अरावली क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नए खनन को अनुमति नहीं देगी। इस संबंध में केंद्र सरकार ने भी निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश पूरे अरावली क्षेत्र पर समान रूप से लागू होंगे। इससे पर्वत श्रृंखला के प्राकृतिक स्वरूप को सुरक्षित रखा जा सकेगा और अनियमित और अवैध खनन पर प्रभावी रूप से रोक लग सकेगी।

15 जनवरी तक चलेगा अवैध खनन के खिलाफ अभियान

मुख्यमंत्री के आदेशों के बाद अरावली क्षेत्र के जिलों में 29 दिसंबर से 15 जनवरी तक अवैध खनन के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। खान, राजस्व, पुलिस, परिवहन और वन विभाग मिलकर यह अभियान चलाएंगे। अभियान कलेक्टर की मॉनिटरिंग में चलेगा। खान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने शनिवार को सभी जिलों के माइनिंग एक्सईएन को अवैध खनन के खिलाफ अभियान के संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं।

अरावली क्षेत्र में पेड़ लगाने के लिए 250 करोड़ का प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खनन लीज जारी करने में सुप्रीम कोर्ट और CEC द्वारा समय-समय पर जारी की गई गाइडलाइंस और सभी पर्यावरण सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कर रही है।

अरावली पर्वतमाला को हरा-भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपए की हरित अरावली विकास परियोजना शुरू की गई है।

इस परियोजना के तहत अरावली क्षेत्र के जिलों में 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण करवाया जा रहा है।

नशा विरोधी मुहिम तेज करने के लिए एंटी नारकोटिक्स सैल में बड़े पैमाने पर तबादले

नशा विरोधी अभियान को और अधिक मजबूत व कारगर बनाया जाएगा -एसपी सिद्धांत जैन

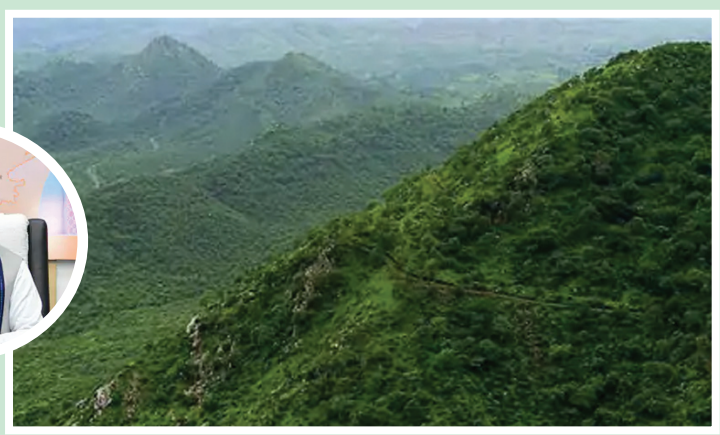

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिले में नशा विरोधी अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी) में बड़े पैमाने पर तबादले किए हैं। इन तबादलों के तहत कई पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इधर-उधर नियुक्त किया गया है। एसपी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार इंस्पेक्टर परह्लाद राय को एएनसी स्टाफ से पीओ स्टाफ फतेहाबाद में लगाया गया है, जबकि इंस्पेक्टर यादविंदर सिंह को पीओ स्टाफ फतेहाबाद से एएनसी स्टाफ फतेहाबाद में? नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त एएसआई मेजर सिंह को एएनसी से भूना, भूपेंद्र सिंह को भूना से एएनसी, पवन कुमार को एएनसी से रतिया, शिशपाल को रतिया से एएनसी, दयाराम को एएनसी से म्योंद, कश्मीर सिंह को सीआईए रतिया से एएनसी, राजविंद्र को टोहाना से एएनसी, विरेंद्र को म्योंद से सीआईए टोहाना, आनंद को एएनसी से सीआईए रतिया तथा रविंद्र को एएनसी से सिटी रतिया ट्रांसफर किया गया है। इसके अलावा अन्य तबादलों में एसआई हंसराज को ब्राह्मणवाला चौकी से दरियापुर, एसआई रमेश कुमार को बड़ोपल से गुरुनानकपुरा चौकी, एसआई पुरुषोत्तम को गुरुनानकपुरा से बड़ोपल, एएसआई शीशपाल को दरियापुर से सिटी रतिया, एएसआई दलबीर को कुलां से ब्राह्मणवाला चौकी तथा एएसआई जितेंद्र सिंह को सिटी रतिया से कुलां स्थानांतरित किया गया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि ये तबादले जिले में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम को मजबूती देने के उद्देश्य से किए गए हैं, ताकि नशा तस्करों पर सख्त और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकें।

रैफल्स विश्वविद्यालय के संस्थापक स्व. विनोद कुमार गोम्बर की 75वीं जयंती को 'ए टावरिंग पर्सनैलिटी' के रूप में मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । रैफल्स विश्वविद्यालय, ने 27 दिसंबर 2025 को अपने संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय विनोद कुमार गोम्बर की 75वीं जयंती के अवसर पर संस्थापक दिवस का आयोजन किया। यह कार्यक्रम शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके दूरदर्शी नेतृत्व और आजीवन सराहनीय योगदान को स्मरण करने हेतु आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उदयन मुखर्जी, आईपीएस (सेवानिवृत्त), पूर्व अतिरिक्त निदेशक, इंटेलिजेंस ब्यूरो, ने वी. के. गोम्बर के साथ बिताए गए अपने अनुभवों और स्मृतियों को साझा किया तथा उनके मूल्यों, सत्यनिष्ठा और युवाओं की शिक्षा व राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके समर्पण पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि विजय भार्गव, पूर्व वरिष्ठ बैंक प्रबंधक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एवं जयपुर (एसबीबीजे), ने भी गोम्बर के साथ अपने संबंधों को स्मरण करते हुए उनके प्रेरणादायक व्यक्तित्व पर विचार व्यक्त किए। गोम्बर एजुकेशन फाउंडेशन की अध्यक्ष, माननीय डॉ. जस्टिस मीना वी. गोम्बर ने अपने पति विनोद कुमार गोम्बर की संवेदनाओं, करुणा और सामाजिक उत्थान के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करते हुए अपने विचार साझा किए। विश्वविद्यालय के माननीय अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) आर. एस. सांगवान ने सभा को संबोधित करते हुए स्वर्गीय विनोद कुमार गोम्बर की विरासत पर प्रकाश डाला तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संस्थागत उत्कृष्टता के प्रति उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया। इस अवसर पर स्व. विनोद कुमार गोम्बर पर आधारित एक फेस्टश्रीफ्ट पुस्तक 'ए टावरिंग पर्सनैलिटी' का भी विमोचन किया गया, जिसमें अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के विचार संकलित हैं। कार्यक्रम का समापन कुलसचिव डॉ. संजय सक्सेना द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम के आयोजन का समन्वय अलब्बार स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) संजीव कुमार एवं देवेंद्र यादव द्वारा किया गया।

विधायक राजेन्द्र भांबू ने किया दोरासर व बिशनपुरा पंचायत में जनसुनवाई, विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सुशासन पखवाड़ा के अंतर्गत 'बढ़ता राजस्थान, हमारा राजस्थान - नव उत्थान, नई पहचान' संकल्प के साथ आज झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र की दोरासर एवं बिशनपुरा ग्राम पंचायतों में जनसुनवाई एवं विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत दोरासर ग्राम पंचायत में हुई, जहां विधायक राजेन्द्र भांबू ट्रैक्टर रैली के साथ सभा स्थल पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों की जनसुनवाई कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। विधायक राजेन्द्र भांबू ने प्रदेश सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी आधारभूत सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों द्वारा विधायक का केलों से तौलकर भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात बिशनपुरा ग्राम पंचायत के बिंजूसर में जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जहां आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया तथा विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में सुशासन पखवाड़ा के संयोजक मुकेश पातुसरी, सह-संयोजक बाबूलाल माहिच, सुरेन्द्र, अर्जुन महला, विशंभर पूनिया सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने निकाला अरावली बचाओ पैदल मार्च

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अरावली पर्वतमाला बचाने के लिए आम जनता में जागरूकता लाने के लिए शनिवार को सीकर में कांग्रेस ने अंबेडकर सर्किल से कल्याण सर्किल तक अरावली बचाओ पैदल मार्च निकाला ।इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों, सदस्यों व कार्यकर्ताओं ने चंदा दो धंधा लो के नारे लगाए। पैदल मार्च से पूर्व कांग्रेस ने भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर,बांग्लादेश में दो व्यक्तियों की हुई हत्या पर दो मिनट का मोन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह की हत्या करने वालों पर कठोर से कठोर कार्यवाही होनी चाहिए।इस अवसर पर सीकर विधायक राजेंद्र पारीक ने कहा कि भाजपा सरकार चंदा दो धंधा लो की नीति पर काम कर रही है। आज अरावली पर्वतमाला राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहर एवं जीवन रेखा है जो रेगिस्तान के विस्तार को रोकने धूल भरी आंधियों से सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिसे भाजपा सरकार अपने उद्योगपति मित्रों को बेचना चाहती है कांग्रेस यह नहीं होने देंगे। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनीता गठाला ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार द्वारा खनन माफिया को बढ़ावा देकर अरावली को नुकसान पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं इसके विरोध में जिला कांग्रेस की ओर से भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर सर्किल से आम जनता में जागरूकता लाने के लिए पैदल मार्च निकालते हुए कल्याण सर्किल तक कार्यकर्ताओं ने जोश के साथ नारे लगाते पहुंचे वहां पर पैदल मार्च का समापन किया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनीता गठाला,सीकर विधायक राजेंद्र पारीक,फतेहपुर विधायक हाकम अली खान,धोद विधानसभा प्रत्याशी जगदीश दानोदिया निवर्तमान सभापति जीवण खां, एडवोकेट पुरुषोत्तम शर्मा, प्रदेश महासचिव किशन सिंह चौहान,फुल सिंह ओला, अनील बुरड़क, रामनिवास बिडो़दी, महेंद्र जाखड़,महीपाल नेहरा, ब्लॉक अध्यक्ष राजेश सैनी,राजेंद्र सामोता, कपील शर्मा,जमील बहलिम, एडवोकेट राजेंद्र शर्मा,जिला उपाध्यक्ष मांगीलाल बराला, मुश्ताक तंवर,पप्पू पहलवान, राजेश शर्मा तुनवा, महासचिव डॉ कुलदीप ढाका, एडवोकेट शब्बीर कमाल, इस्माइल नागौरी, अल्ताफ रंगरेज, रामनिवास खीचड़,अब्दुल रजाक, नरेंद्र छबरवाल, अंकित पारीक, एडवोकेट राजेंद्र सैनी ,सेवादल जिलाध्यक्ष रविकांत तिवाड़ी, संजू गोदारा, नरेश सैनी, मदनलाल चिरानिया,प्रभु सिंह कारंगा, बलदेव फगेड़िया,तोकीर खत्री, बर्मन सिहाग, पूर्व पार्षद वेदप्रकाश राय, जिला परिषद सदस्य संजू दैवी, पुर्ण कंवर, शाबिर बिशायती, यूवक कांग्रेस विजेन्द्र सैनी, सूरैश रणवा, विजेन्द्र बगडी़या सरपंच, लक्ष्मण चौधरी, जगदीश खारिया, अक्षत झुरिया, अल्ताफ भाटी,साजिद रंगरेज,श्रीकिशन व्यास,सुनील मारोठिया, श्रवण सिंह तारपुरा, सज्जन कुमावत,पार्षद अनील चौधरी, भगवती बुरड़क,मंडल अध्यक्ष छोटेलाल माहीच,रुघवीर पिलानीया, जावेद चौहान, चूनाराम फोजी, सांवरमल ढाका, रामेश्वर बाजिया, मोहनलाल बाजीया, अनु राजा, काशीप्रसाद मऊका, गंगाधर दानोदिया, छोटेलाल माहिच, सांवरमल ढाका,नेछवा ब्लॉक अध्यक्ष कपिल शर्मा, फतेहपुर प्रधान प्रतिनिधि महिपाल नेहरा, नरेंद्र झुरिया,अल्ताफ रंगरेज,यूनुस बिशायती, प्रेम सैनी,यूनुस खान कासली,भरत सिंह, नेमिचंद बिजारणियां, सत्येन्द्र भास्कर, बालसींह मुंडवाडा,अजय नायक, अजय मारवल,भगवाना राम बगडी़या, अताउल्लाह ब्लॉक उपाध्यक्ष इतिहास पारासर ,धर्मेंद्र गठाला ,सहित सैकड़ो जनप्तिनिधि,पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पैदल मार्च में उपस्थित रहे।

राजस्थान- IAS-IPS को गरीबों से सस्ता फ्लैट देगा हाउसिंग बोर्ड

अधिकारियों को 9 लाख का फायदा, कॉमर्शियल जमीन को आवासीय किया

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान हाउसिंग बोर्ड को बनाने का उद्देश्य निम्न, अल्प और मध्यम (EWS, LIG, MIG) वर्ग के लिए किफायती दरों पर मकान बनाकर आवंटित करना था। लेकिन आईएएस, आईपीएस और आईएएस (एलीट क्लास) के लिए बनाए जाने वाले लग्जरी फ्लैट की लागत को कम करने के लिए बोर्ड तरह-तरह की छूट दे रहा है। ये छूट गरीब वर्ग (EWS, LIG, MIG) को न देकर इन एलीट क्लास के लोगों को दी जा रही है। आवासन मंडल में शुक्रवार को हुई बोर्ड बैठक में ऐसा ही एक प्रस्ताव रखा गया। इस प्रस्ताव में ऑल इंडिया सर्विस (ङ्घस) से जुड़े अधिकारियों (IAS/IPS/IFS) के लिए एडमिनिस्ट्रेशन फीस को 10 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है। ये छूट किसी भी वर्ग के आवंटियों को बोर्ड प्रशासन या सरकार ने नहीं दी है।

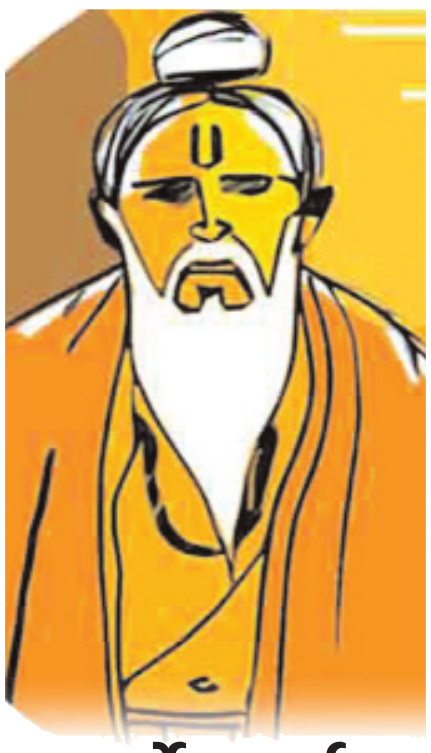

आयुर्वेदाचार्य और ज्योतिषाचार्य ऋषि च्यवन

च्यवन ऋषि ने ही जड़ी-बुटियों से 'च्यवनप्राश' नामक एक औषधि बनाकर उसका सेवन करके वृद्धावस्था से पुनः युवा बन गए थे। महाभारत के अनुसार, उनमें इतनी शक्ति थी कि वे इन्द्र के वज्र को भी पीछे धकेल सकते थे। च्यवन ऋषि महान भृगु ऋषि के पुत्र थे। इनकी माता का नाम पुलोमा था। इनकी ख्याती आयुर्वेदाचार्य और ज्योतिषाचार्य के रूप में है। ग्रंथ का नाम च्यवनस्मृति और जीवदान तंत्र है। यहां प्रस्तुत है उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी।

महर्षि भृगु के भी दो विवाह हुए। इनकी पहली पत्नी दैत्यराज हिरण्यकश्यप की पुत्री दिव्या थी। दूसरी पत्नी दानवराज पुलोम की पुत्री पौलमी थी। पहली पत्नी दैत्यराज हिरण्यकश्यप की पुत्री दिव्या देवी से भृगु मुनि के दो पुत्र हुए जिनके नाम शुक्र और त्वष्टा रखे गए। आचार्य बनने के बाद शुक्र को शुक्राचार्य के नाम से और त्वष्टा को शिल्पकार बनने के बाद विश्वकर्मा के नाम से जाना गया। इन्हीं भृगु मुनि के पुत्रों को उनके मातृवंश अर्थात दैत्यकुल में शुक्र को काव्य एवं त्वष्टा को मय के नाम से जाना गया है। ऋग्वेद की अनुक्रमणिका से ज्ञात होता है कि असुरों के पुरोहित भृगु के पौत्र और कवि ऋषि के सुपुत्र थे। महर्षि भृगु के प्रपौत्र, वैदिक ऋषि ऋचीक के पौत्र, जमदग्नि के पुत्र परशुराम थे। भृगु ने उस समय अपनी पुत्री रेणुका का विवाह विष्णु पद पर आसीन विवस्वान (सूर्य) से किया।

दूसरी पत्नी पौलमी

पौलमी असुरों के पुलोम वंश की कन्या थी। पुलोम की कन्या की सगाई पहले अपने ही वंश के एक पुरुष से, जिसका नाम महाभारत शांतिपर्व अध्याय 13 के अनुसार दंस था, से हुई थी। परंतु उसके पिता ने यह संबंध छोड़कर उसका विवाह महर्षि भृगु से कर दिया। जब महर्षि च्यवन उसके गर्भ में थे, तब भृगु की अनुपस्थिति में एक दिन अवसर पाकर दंस (पुलोमासर) पौलमी का हरण करके ले गया। शोक और दुख के कारण पौलमी का गर्भपात हो गया और शिशु पृथ्वी पर गिर पड़ा, इस कारण यह च्यवन (गिरा हुआ) कहलाया। इस घटना से दंस पौलमी को छोड़कर चला गया, तत्पश्चात पौलमी दुख से रोती हुई शिशु (च्यवन) को गोद में उठाकर पुनः आश्रम को लौटी। पौलमी के गर्भ से 5 और पुत्र बताए गए हैं।

च्यवन ऋषि

च्यवन का विवाह मुनिवर ने गुजरात के भड़ौंच (खम्भात की खाड़ी) के राजा शर्यांति की पुत्री सुकन्या से किया। भार्गव च्यवन और सुकन्या के विवाह के साथ ही भार्गवों का हिमालय के दक्षिण में पदार्पण हुआ। च्यवन ऋषि खम्भात की खाड़ी के राजा बने और इस क्षेत्र को भृगुकच्छ-भृगु क्षेत्र के नाम से जाना जाने लगा। सुकन्या से च्यवन को अप्नुवान नाम का पुत्र मिला। दधीच इन्हीं के भाई थे। इनका दूसरा नाम आत्मवान भी था। इनकी पत्नी नाहुषी से और्व का जन्म हुआ। और्व कुल का वर्णन ब्राह्मण ग्रंथों में ऋग्वेद में 8-10-2-4 पर, तैत्तरेय संहिता 7-1-8-1, पंच ब्राह्मण 21-10-6, विष्णुधर्म 1-32 तथा महाभारत अनु.56 आदि में प्राप्त है।

हिंदू शादियों में क्यों किया जाता है गणपति पूजन?

गणपति को प्रथम पूजनीय देवता का दर्जा दिया गया है और ऐसा माना जाता हैं उनकी पूजा के बिना विवाह की कोई भी रस्म अधूरी मानी जाती है। गणपति की पूजा भक्त किसी भी नई यात्रा या उद्यम को शुरू करने से पहले सभी बाधाओं को दूर करने के लिए करते हैं। गणेश शब्द का अर्थ है गणों के स्वामी और उनकी पूजा सबसे पहले करने से समस्त देवताओं का आशीर्वाद मिलता है। किसी भी अन्य हिंदू विवाह अनुष्ठान से पहले गणेश पूजा करने के और भी कई कारण हैं जो विवाह की रस्मों को सफल बनाने के लिए जरूरी माने जाते हैं।

शादी की रस्मों में से सबसे जरूरी माना जाता है गणपति पूजन। मान्यताओं के अनुसार विवाह समारोह की रस्में शुरू करने से पहले गणपति की पूजा करना जरूरी माना जाता है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, हमारे देश में किसी भी हिंदू पूजा या समारोह से पहले गणपति की पूजा की जाती है। गणपति को प्रथम पूजनीय देवता का दर्जा दिया गया है और ऐसा माना जाता हैं उनकी पूजा के बिना विवाह की कोई भी रस्म अधूरी मानी जाती है। गणपति की पूजा भक्त किसी भी नई यात्रा या उद्यम को शुरू करने से पहले सभी बाधाओं को दूर करने के लिए करते हैं। गणेश शब्द का अर्थ है गणों के स्वामी और उनकी पूजा सबसे पहले करने से समस्त देवताओं का आशीर्वाद मिलता है। किसी भी अन्य हिंदू विवाह अनुष्ठान से पहले गणेश पूजा करने के और भी कई कारण हैं जो विवाह की रस्मों को सफल बनाने के लिए जरूरी माने जाते हैं। विवाह समारोह में क्यों किया जाता है गणपति पूजन और इसका महत्व क्या है।

विवाह में क्यों जरूरी है गणपति पूजन

हिंदू शादी में सबसे जरूरी माना जाता है विवाह की रस्मों के दौरान गणपति का आह्वान करना। गणपति पूजा अन्य हिंदू देवी-देवताओं से पहले की जानी चाहिए। उन्हें ऐसे देवता के रूप में पूजा जाता है जो व्यक्ति के जीवन में समृद्धि लाते हैं। किसी भी विवाह में, गणेश पूजा बाकी विवाह अनुष्ठानों की शुरुआत का संकेत मानी जाती है।

विवाह के दौरान वर-वधू गणपति पूजन करते हैं और इसका मुख्य उद्देश्य उनके आने वाले जीवन के लिए भगवान गणेश का आशीर्वाद प्रदान करना होता है। गणपति को विघ्नहर्ता के रूप में पूजा जाता है, इसलिए उन्हें विघ्नेश्वर भी कहा जाता है। विवाह समारोह के दौरान, गणपति पूजन करने से सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं और गणपति अपने भक्तों को सफलता के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। यही नहीं विवाह के बाद नई सफल शुरुआत करने से पहले, नए अनुष्ठानों के प्रतीकात्मक रूप में भगवान गणेश की पूजा की जाती है। इससे दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहता है और सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद मिलता है।

विवाह समारोह में गणेश पूजा का महत्व

विवाह समारोह में गणपति पूजन करना एक विशेष भारतीय परंपरा मानी जाती है, जिसमें किसी भी कार्य से पहले भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया जाता है। गणपति को विघ्न विनाशक कहा जाता है और भक्त किसी भी हिंदू धार्मिक अनुष्ठान से पहले उनकी पूजा करते हैं। इसी वजह से हिंदू विवाह में, शादी करने वाला जोड़ा स्वयं और अपने परिवार पर आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गणपति पूजा करते हैं।

यदि विवाह में कोई बाधा या कठिनाई आ रही है, तो विवाह समारोह में गणेश पूजा से उसे दूर किया जा सकता है। विवाह समारोह में गणेश पूजा, होने वाले जोड़े को उनके वैवाहिक सुखी जीवन के लिए तैयार करती है। हिंदू धर्म के अनुसार, विवाह से पहले गणेश पूजा करने से उनके नए जीवन में समृद्धि, ज्ञान और सकारात्मकता आती है।

विवाह में कैसे की जाती है गणपति पूजा

गणपति पूजा विवाह से पहले या विवाह के दिन की जा सकती है।

पूजा की तैयारी में कई चीजें शामिल होती हैं। इसके लिए सबसे जरूरी है भगवान गणेश की मूर्ति। इस मूर्ति को शादी के समय ऊंचे मंच पर स्थापित किया जाता है। यह किसी भी सामग्री से बनी हो सकती है, जैसे सोना, चांदी मिट्टी या अन्य सामग्री। गणपति पूजन में मोदक का भोग लगाना जरूरी माना होता है। शादी के दौरान गणपति को 21 की संख्या में मोदक चढ़ाने चाहिए। इसके साथ ही गणपति को लाल फूल, दूर्वा और पान के पत्ते चढ़ाकर पूजन करें। विवाह के दौरान गणपति पूजन पंडित करते हैं मुख्य रूप से यह दूल्हे के आगमन पर किया जाता है।

क्या मनी प्लांट को घर के मुख्य द्वार पर रखना ठीक है? जानें वास्तु के नियम

मनी प्लांट सहित कई अन्य पौधों का स्थान, सद्भाव बनाए रखने और धन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। मनी प्लांट को घर के कुछ विशेष स्थानों पर भी लगाने की सलाह दी जाती है और कुछ स्थानों पर न रखने की बात कही जाती है। ऐसे ही एक सवाल यह भी उठता है कि क्या इस पौधे को घर के मुख्य द्वार पर रखा जा सकता है?

मनी प्लांट का महत्व

मनी प्लांट को आमतौर पर सौभाग्य, धन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इसके हरे-भरे पत्ते और दूर तक फैलती हुई डालियां विकास और समृद्धि का संकेत देती हैं।

यह पौधा न केवल अपनी सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि इसके कई वास्तु लाभ भी हैं। मनी प्लांट आपके घर के वातावरण को शुद्ध रखने में मदद करता है और घर में सुख-शांति बनाए रखता है। इसकी हरियाली से वातावरण सकारात्मक बना रहता है और आस-पास की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। वास्तु की मानें तो घर के सही स्थान और दिशा में लगा हुआ यह पौधा आपके घर के लिए धन को आकर्षित करता है।

क्या घर के प्रवेश द्वार पर मनी प्लांट रखना ठीक है

मनी प्लांट को घर के सही स्थान में लगाना बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि ये धन को आकर्षित करता है और घर में सदैव माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। जब बात इसे घर के मुख्य द्वार पर लगाने की आती है तो इसे आप मुख्य द्वार पर लगा सकते हैं, लेकिन आपको इस बात का ध्यान रखने की जरूरत है कि यह पौधा घर के बाईं तरफ लगा हुआ होना चाहिए और ऐसे स्थान पर लगाना चाहिए जहां से कोई बाहरी व्यक्ति इसकी पत्तियां या टहनी न तोड़ सके। इसे लगाते समय ध्यान देने की जरूरत होती है कि इसकी टहनियां जमीन ओर न जाएं और इनके ऊपर की तरफ बांध देना चाहिए।

किस स्थान पर नहीं लगाना चाहिए

वास्तु की मानें तो मनी प्लांट को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए। इस दिशा में मनी प्लांट लगाने से परिवार के सदस्यों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और घर में आर्थिक तंगी आ सकती है। इससे आपके घर की उन्नति रुक सकती है। आपको इस पौधे को प्रवेश द्वार के ठीक सामने कभी भी नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इससे ऊर्जा का प्रवेश रुक सकता है और इस पौधे की पूर्ण सकारात्मक ऊर्जा भी नहीं मिल पाती है। इसके साथ ही आपको मनी प्लांट को कभी भी सूखने नहीं देना चाहिए। मान्यता है कि सूखा हुआ पौधा घर के लिए नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बनता है।

मुख्य द्वार पर मनी प्लांट रखने से क्या होता है

मुख्य द्वार पर मनी प्लांट रखने के कई फायदे और नुकसान हो सकते हैं। वास्तु के अनुसार, यदि आपके घर का मनी प्लांट कोई अन्य व्यक्ति तोड़कर अपने घर में लगा लेता है, तो इससे आपके घर में धन की हानि हो सकती है। यह स्थिति आपके धन के प्रवाह को प्रभावित कर सकती है और आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकती है। इसलिए, इसे मुख्य द्वार पर रखने से पहले सावधानी बरतना महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, घर के बाहर मनी प्लांट लगाने से धन प्रवाह में रुकावट आ सकती है। यदि मनी प्लांट सही दिशा और स्थान पर नहीं रखा गया है, तो यह नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। वास्तु शास्त्र में यह भी माना जाता है कि यदि पौधा किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा प्रभावित होता है, तो यह आपके धन और समृद्धि को अन्य स्थान पर ले जा सकता है। इसीलिए, मनी प्लांट को हमेशा सुरक्षित और आंतरिक स्थान पर लगाना चाहिए, जहां यह केवल आपके परिवार के सदस्यों के लिए ही लाभकारी हो।

सामान्य पूजा से कैसे भिन्न है पंचमुखी हनुमान जी की पूजा

हिन्दू धर्म में सप्ताह का हर एक दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित है। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा का विधान है। हनुमान जी की पूजा करने से न सिर्फ बल और साहस की प्राप्ति होती है बल्कि राम कृपा और भक्ति का भी संचार होता है। हनुमान जी की पूजा किसी भी रूप में की जाए परम सुख दायक और फलदायी होती है लेकिन पंचमुखी हनुमान जी की पूजा का विशेष महत्व है। पंचमुखी हनुमान जी की पूजा न सिर्फ सामान्य पूजा से भिन्न है बल्कि इसका प्रभाव भी शीघ्र पड़ता है।

पंचमुखी हनुमान जी की कथा

रामायण के अनुसार, रावण ने श्री राम से युद्ध के समय अपने कई पराक्रमी योद्धाओं और महाबलशाली भाइयों का सहयोग लिया था लेकिन जब उसने यह देखा कि एक से एक महा असुर भी राम सेना के समक्ष टिक नहीं पा रहा है तब उसने अपने भाई अहिरावण को बुलाया। अहिरावण ने अपने मायावी छल से श्री राम (श्री राम और माता सीता की विवाह के दौरान क्या थी उम्र) और लक्ष्मण जी का अपहरण कर लिया और उन्हेई मूर्छित कर पाताल लोक गया। असल में यह समय था जब हनुमान जी पंचमुखी रूप धारण कर संसार में अपने इस स्वरूप की स्थापना करें। इसी कारण से श्री राम ने यह लीला रचाई वरना ब्रह्मांड में ऐसा कोई नहीं जो श्री हरि विष्णु अवतार श्री राम और शेषनाग अवतार लक्ष्मण जी को छल सके। बहराल कथा पर पुनः लौटते हुए बता दें कि अहिरावन ने श्री राम और लक्ष्मण को एक कक्ष में रख दिया और दोनों के वध की तैयारी में जुट गया। हनुमान जी जब राम जी और लक्ष्मण भैय्या को ढूंढते-ढूंढते पाताल लोक पहुंचे तब उन्होंने देखा कि अहिरावण हवन कर श्री राम और लक्ष्मण जी की बलि देने की तैयारी में है। हनुमान जी ने अहिरावण को युद्ध के लिए ललकारा और दोनों में युद्ध छिड़ गया। बहुत देर तक भी जब हनुमान जी युद्ध करने के बाद भी अहिरावण की मृत्यु कर पाने में सक्षम नहीं हो पाए तब उन्होंने मां पार्वती का स्मरण किया। माता पार्वती हनुमान जी के सामने प्रकट हुईं और उन्हें बताया कि अहिरावण की मृत्यु तभी संभव है जब उसके महल के पांच कोनों में रखे पांच दीपक एक साथ एक ही समय पर बुझाए जाएं। तब हनुमान जी ने मध्य में खड़े होकर पांच मुख प्रकट किये और अलग-अलग दिशाओं में उन मुखों को घुमाकर दीपक बुझा दिए जिसके बाद हनुमान जी द्वारा अहिरावण का वध संभव हो सका। तभी से पंचमुखी हनुमान जी की पूजा का आरंभ हुआ।

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा का महत्व

पंचमुखी हनुमान जी के पांच मुख पांच अलग-अलग दिशाओं की तरफ हैं। हर एक मुख का अपना विशेष महत्व है। हर एक मुख एक जीवा और उससे जुड़ी खूबियों को दर्शाता है। पंचमुखी हनुमान जी के 5 मुख- पहला वानर का, दूसरा गरुड़ का, तीसरा वराह का, चौथा नृसिंह का और पांचवा अश्व का। जहां एक तरह पंचमुखी हनुमान जी के इस स्वरूप में वानर मुख पूर्व दिशा में है। तो वहीं, गरुड़ मुख पश्चिम दिशा में है। पंचमुखी हनुमान जी का वराहमुख उत्तर दिशा में है तो नृसिंहमुख दक्षिण दिशा में है। हनुमान जी का अश्व मुख आकाश की दिशा में है। वानर मुख दुश्मनों पर विजय प्रदान करता है। गरुड़ मुख जीवन की बाधाओं को हरता है। लंबी उम्र, प्रसिद्धि, बल और शक्ति का परिचायक है। नृसिंह मुख मन से डर और तनाव को दूर करता है। अश्व मुख समस्त मनोकामनाओं की पूर्ति करता है।

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा विधि

पंचमुखी हनुमान जी की पूजा हनुमान जी के सामान्य रूप से भिन्न है। पंचमुखी हनुमान जी मूर्ति या तस्वीर घर की दक्षिण दिशा में ही स्थापित करनी चाहिए। यूं तो हनुमान जी की पूजा के लिए विशेष दिन मंगलवार और शनिवार है लेकिन पंचमुखी हनुमान जी की पूजा सप्ताह के किसी भी पांच दिन की जा सकती है।

पंचमुखी हनुमान जी को सिन्दूर नहीं चढ़ाया जाता है बल्कि लाल रंग का फूल या चमेली का तेल अर्पित करना शुभ फलदायी होता है। पंचमुखी हनुमान जी की पूजा में नियमों के उलंघन की कोई गुंजाइश नहीं है। इसी कारण से हनुमान जी के पंचमुखी रूप की पूजा करना कठिन माना जाता है।

बुहाना की मिट्टी से संसद के मंच तक: गांव के सम्मान ने अंजली तंवर को किया भावुक

'सरकारी स्कूल से सीधा राष्ट्रीय मंच: अंजली बोलीं–यह सफर जीवन भर याद रहेगा

नेशनल यूथ पार्लियामेंट 2025 में प्रथम स्थान, गांव ने किया भव्य अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

नवीन कुमार । झुंझुनूं जिले के बुहाना कस्बे के लिए यह क्षण गर्व और सम्मान से भरा है, जब यहां की होनहार छात्रा अंजली तंवर ने नेशनल यूथ पार्लियामेंट 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। अंजली वर्तमान में बियाणी लॉ कॉलेज जयपुर की छात्रा हैं और उनकी यह उपलब्धि मेहनत, स्पष्ट सोच और आत्मविश्वास का परिणाम है। देश के प्रत्येक राज्य से चयनित युवाओं की सहभागिता वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में अंजली तंवर ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' विषय पर प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किया। उनके भाषण में तथ्यों की मजबूती, तार्किक विश्लेषण, लोकतांत्रिक मूल्यों की गहरी समझ और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति ने निर्णायकों और श्रोताओं को विशेष रूप से प्रभावित किया। अंजली तंवर की वैचारिक परिपक्वता और राजनीतिक समझ के पीछे उनका पारिवारिक परिवेश भी अहम भूमिका निभाता है। उनके पिता रोहिताश सिंह तंवर बुहाना नगर पालिका क्षेत्र में सक्रिय राजनीति से जुड़े रहे हैं और पंचायत समिति सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। वहीं उनकी माता सुकून कंवर दो बार बुहाना ग्राम पंचायत की सरपंच रह चुकी हैं। इस राजनीतिक, सामाजिक और न्यायिक वातावरण ने अंजली में बचपन से ही सामाजिक मुद्दों को समझने, तर्क करने और समाधान खोजने की क्षमता विकसित की। हालांकि परिवार की ओर से अंजली को डॉक्टर बनने की सलाह दी गई थी, लेकिन सामाजिक न्याय, बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जीवनी को पढ़ने के बाद संविधान और कानून के प्रति उनकी जिज्ञासा ने उन्हें वकालत के क्षेत्र की ओर आकर्षित किया। अपनी रुचि और सोच को दिशा देने के लिए उन्होंने कानून की पढ़ाई को चुना–और आज वही निर्णय उनकी पहचान बन गया।

गांव का गर्व, बेटियों के लिए संदेश

समाजसेवी मुकेश रांगेय ने कहा कि गांव की लाड़ली बेटी का यह सम्मान पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। अंजली तंवर की सफलता ने यह साबित कर दिया कि सरकारी स्कूल, गांव और छोटे कस्बों से निकलकर भी बेटियां राष्ट्रीय मंच पर परचम लहरा सकती हैं। गांव में हुए इस सम्मान समारोह ने न केवल अंजली तंवर को भावुक कर दिया, बल्कि हर ग्रामीण के मन में यह विश्वास जगा दिया कि 'बेटी हो तो अंजली जैसी '–जो गांव, समाज और देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर सम्मान समारोह में पूर्व सरपंच रामअवतार जांगिड़, ग्राम सेवक महेंद्र सिंह, मदनलाल नाड़ियां, वीरेंद्र सिंह, मेहताब सिंह, चंद्रभान सिंह, सत्यवीर सिंह, अनिल कुमार, कृष्ण सिंह, विजय जोशी, महेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, सुरेश कुमार, मुकेश सिंह, कर्मवीर सिंह, हरपाल सिंह, राजेंद्र नाड़ियां सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

सम्मान पाकर भावुक हुईं अंजली तंवर

मैं इस सम्मान और अपनत्व के लिए गांव के सभी बड़ों का तहेदिल से आभार व्यक्त करती हूं। यह सम्मान मुझसे कहीं बड़ा है। आज मुझे जो आदर-सत्कार मिला, वह मेरे जीवन का सबसे गर्व का क्षण है। मैं अपने आंसुओं को रोकना चाह रही हूं, लेकिन रुक नहीं पा रहे। यह उपलब्धि युवा मंत्रालय के खेल कार्यक्रम के तहत आयोजित नेशनल यूथ पार्लियामेंट में मिली, जहां मैंने राजस्थान और झुंझुनूं जिले का प्रतिनिधित्व किया। मुझे कंगना रनौत की प्रतिनिधि के रूप में मंच पर बोलने का अवसर मिला और मैंने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मैं पिछले चार वर्षों से इस मंच को देख रही थी, इसकी तैयारी कर रही थी। चार साल बाद मुझे मौका मिला और आज विश्वास नहीं हो रहा कि मैं प्रथम स्थान हासिल कर आई हूं। कल जब पता चला कि गांव वालों ने मेरे लिए सम्मान समारोह रखा है, तो यह मेरे जीवन का बेस्ट मोमेंट बन गया। दूसरों के लिए ताली बजाने से लेकर खुद के लिए संघर्ष करने तक का जो सफर रहा, वह आज सार्थक लग रहा है। मेरे इस सफर में मेरे माता-पिता, मेरे स्कूल शिक्षक, गांव के बड़े भाई-बहन और मेरे गांव का योगदान सबसे बड़ा है। मैं सरकारी स्कूल में पढ़ी हूं–तीसरी, चौथी कक्षा से लेकर राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने की मेरी यात्रा के हर पड़ाव को मैं जीवन भर याद रखूंगी। 23 दिसंबर को मिला यह प्यार और सम्मान हमेशा मेरे दिल में रहेगा। मेरी माता पूर्व सरपंच रही हैं और पिता राजनीति में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं राजनीति या लोकतांत्रिक मंचों पर इस तरह पहुंचूंगी। बचपन से देखती आई हूं कि पापा राजनीति में इतने व्यस्त रहते थे कि परिवार को समय नहीं दे पाते थे, इसलिए मैं इससे बचना चाहती थी। लेकिन कहते हैं न–खून अपना असर दिखा ही देता है। सांसदों के बीच मंच पर बोलने का अवसर मिला तो महसूस हुआ कि राजनीतिक समझ और वक्तृत्व की विरासत मेरे खून में ही है। जब मैं बोलती हूं, तो वे शब्द सिर्फ मेरे नहीं होते–वे मेरे पापा और मम्मी के संस्कारों की आवाज होते हैं। '

सरल संत, समाज-सुधारक और आध्यात्मिक चेतना के प्रणेता चंद्रनाथ जी महाराज देवलोकगमन

भीम प्रज्ञा न्यूज़@ हरेश पंवार (झुंझुनूं)।

झुंझुनूं जिले के बगड़ कस्बे में स्थित प्रसिद्ध चंद्रनाथ आश्रम (बगड़ धाम) के संस्थापक एवं नाथ संप्रदाय के प्रतिष्ठित संत पीठाधीश्वर चंद्रनाथ जी महाराज का 27 दिसंबर 2025 को सैकड़ों वर्षों की दीर्घ साधनामय आयु पूर्ण कर देवलोकगमन हो गया। भारतीय सनातन संस्कृति एवं नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार वे गद्दी समा गए। उनके देवलोकगमन की सूचना मिलते ही पूरे शेखावाटी अंचल सहित झुंझुनूं जिले में शोक की लहर दौड़ गई।

सरलता, सादगी, विनम्रता और करुणा से परिपूर्ण जीवन जीने वाले चंद्रनाथ जी महाराज विगत कुछ समय से उम्रजनित अस्वस्थता से ग्रसित थे। शनिवार को नाथ संप्रदाय की साधु-संत परंपरा के अनुसार उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

बाल्यकाल से वैराग्य तक की प्रेरक यात्रा

चंद्रनाथ जी महाराज का जन्म झुंझुनूं जिले के चारणवास गांव (बीहड़ मठ के समीप) में हुआ। अल्प आयु में माता-पिता का साया उठ जाने के बाद उनकी बड़ी बहन उन्हें अपने ससुराल शिशिया गांव ले गईं। वहीं बालक चंद्रनाथ के मन में भक्ति और वैराग्य की भावना प्रबल हुई। सत्संगों को सुनते-सुनते उन्होंने नाथ आश्रम सामधा धूणी तक पैदल जाने का संकल्प ले लिया। एक बार प्रचंड बहाव वाली नदी के कारण उन्हें लौटना पड़ा, लेकिन वैराग्य की अग्नि शांत नहीं हुई। अंततः वे सामधा धूणी पहुंचे और वहां के तत्कालीन पीठाधीश्वर गोपालनाथ जी महाराज के शिष्य बने। जीवनभर उन्होंने गुरु सेवा और साधना को ही अपना पथ बनाया।

बगड़ धाम की स्थापना और समाज-सुधार

आश्रम में उनकी सेवा-निष्ठा और सक्रियता देखकर गुरु गोपालनाथ जी महाराज उन्हें उत्तराधिकारी बनाना चाहते थे, किंतु आश्रम में ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा के चलते उन पर चोरी का निराधार आरोप लगाया गया। अंतर्यामी गुरु ने सत्य को समझते हुए चंद्रनाथ जी को नए क्षेत्र में आश्रम स्थापित कर समाज-सेवा करने का आदेश दिया। गुरु आज्ञा से वे बगड़ कस्बे पहुंचे और एक खेत में चिमटा गाड़कर साधना प्रारंभ की। यहीं से गोपालनाथ महाराज चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से आध्यात्मिक एवं सामाजिक चेतना के कार्यक्रम शुरू हुए और यह स्थान चंद्रनाथ आश्रम बगड़ धाम के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज आश्रम से लाखों श्रद्धालु जुड़े हैं और हजारों सेवादार शिष्य परंपरा में सक्रिय हैं। आश्रम में गौशाला, नियमित भंडारा, कीर्तन-भजन, चांदनी की पंचमी को सत्संग तथा वर्ष में चार बड़े धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होते हैं।

शिक्षा, संस्कार और आध्यात्मिक विरासत

सनातन संस्कृति में साधु-संगति के प्रभाव को जीवन में उतारते हुए चंद्रनाथ जी महाराज ने समाज को बुराइयों से दूर कर अच्छाई की ओर प्रेरित किया। झुंझुनूं जिले में शिक्षा स्तर बढ़ाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके सत्संगों में सामाजिक चेतना, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक अनुशासन का संदेश निरंतर मिलता रहा। जीवन की विषम परिस्थितियों–बाल्यकाल में अनाथ होने से लेकर आश्रम जीवन में अन्याय झेलने–को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपने जीवनकाल में ही भानीनाथ जी को उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। अंतिम समय तक शिष्यों ने सेवा-भाव से गुरु की सेवा की और उन्हें श्रद्धापूर्वक अंतिम विदाई दी।

अमिट स्मृति छोड़ गए चंद्रनाथ जी महाराज

चंद्रनाथ जी महाराज के देवलोकगमन से झुंझुनूं जिले ने एक महान संत, मार्गदर्शक और समाज-सुधारक को खो दिया है। वे अपने पीछे आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक सुधार और सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर छोड़ गए हैं। बगड़ धाम आज भी उनके आदर्शों का जीवंत केंद्र बना हुआ है, जहां प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए भंडारा, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठान निरंतर होते रहेंगे। सरल साधु, विरल व्यक्तित्व और जन-जागरण के प्रतीक चंद्रनाथ जी महाराज सदैव श्रद्धालुओं के हृदय में अमर रहेंगे।

सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आंदोलन

चंद्रनाथ जी महाराज केवल संत ही नहीं, बल्कि एक सशक्त समाज-सुधारक भी थे। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जन-जागरण का अभियान चलाया। मेघवंशी समाज चेतना संस्थान के संस्थापक बीएल चिरानियां के आग्रह पर चंद्रनाथ जी महाराज के मुखारविंद से 12 सितंबर 2004 को झुंझुनूं जिले में पहली बार मृत्यु भोज के खिलाफ संकल्प पारित करवाया। मेघवाल महासम्मेलन के आयोजन के माध्यम से कई सामाजिक बुराइयों पर प्रतिबंध लगाने की शपथ दिलाई। इससे समाज में होने वाले करोड़ों रुपये के अनावश्यक खर्च पर रोक लगी और वह धन शिक्षा व सामाजिक उत्थान जैसे सकारात्मक कार्यों में लगा, जिससे गरीब तबके का समाज प्रगति की ओर अग्रसर हुआ।

बगड़ धाम के चंदन नाथ जी महाराज के अंतिम दर्शन करने के लिए उमड़ा भीड़ सैलाब

क्रिएटिव चैंप्स प्री-स्कूल में धूमधाम से मना स्पोर्ट्स डे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर।

मुहाना मंडी गेट नंबर 3 के बाहर स्थित क्रिएटिव चैंप्स प्री-स्कूल का स्पोर्ट्स डे केसर अकादमी में उत्साह और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने योग, रेस, डांस, मार्चपास्ट व जुम्बा डांस जैसी विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रिंसिपल रश्मि छाबड़ा रहीं। स्पोर्ट्स डे के दौरान बच्चों ने अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का बेहतरीन प्रदर्शन किया। अंत में सभी प्रतिभागी बच्चों को मेडल वितरित कर प्रोत्साहित किया गया। इस आयोजन में बच्चों के माता-पिता की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। साथ ही केसर अकादमी व क्रिएटिव चैंप्स प्री-स्कूल के शिक्षकों का सहयोग रहा।

लोहिया स्कूल की तीन छात्राओं का पद्माक्षी अवार्ड में चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

लोहिया विद्यालय की छात्राओं ने शिक्षा के क्षेत्र में इतिहास रच स्कूल का ही नहीं क्षेत्र का नाम रोशन किया हैं। कक्षा 8वीं,10वीं एवं 12वीं - तीनों कक्षाओं में झुंझुनूं जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह संख्या चिड़ावा में सर्वाधिक है। कक्षा 12वीं में हर्षिता, पुत्री संजय शर्मा ने अपने वर्ग में जिल में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए पद्माक्षी अवार्ड स्वरूप ?75,000, कक्षा 10वीं में प्रियांशी, पुत्री जयसिंह ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया जिसके लिए 50 हजार रुपए तथा कक्षा 8वीं में दीपशिखा बसवाला, पुत्री नरोत्तम लाल बसवाला ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया जिसके लिए उसे 25 हजार की पुरस्कार राशि दी जायेगी 7 इन तीनों छात्राओं को राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले पद्माक्षी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा । छात्राओं की इस शानदार उपलब्धि ने विद्यालय एवं परिजनों-दोनों का नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा कहा कि यह उपलब्धि आने वाली छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

अरावली बचाओ पदयात्रा: नीमराना से अलवर के लिए रवाना हुए कार्यकर्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना, अरावली बचाओ पदयात्रा के तहत नीमराना स्थित नगर कांग्रेस कार्यालय से कार्यकर्ताओं का एक जत्था आज 27 दिसम्बर 2025 को अलवर के लिए रवाना हुआ। इस पदयात्रा का नेतृत्व नगर अध्यक्ष श्री वेदप्रकाश सैनी ने किया, जो विधायक श्री ललित यादव जी के निर्देशानुसार आयोजित की गई थी। पदयात्रा में जाने से पूर्व कार्यकर्ताओं ने अरावली बचाओ नारों से उद्घोष किया और अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। इस पदयात्रा में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं में नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेदप्रकाश सैनी, राजीव गाँधी पंचायतीराज संगठन के जिला उपाध्यक्ष मौजीराम यादव, सचिव नगर कांग्रेस कमेटी संजय कुमार यादव, सदस्य नगर कांग्रेस कमेटी शिवचंद उर्फ भरतरी, रोहिताश मुनीम, उपाध्यक्ष नगर कांग्रेस कमेटी महावीर चर्खिया, संजय कुमार, प्रशांत शर्मा आदि शामिल थे। इस पदयात्रा का उद्देश्य अरावली के संरक्षण और पर्यावरण की रक्षा के लिए लोगों को जागरूक करना है। कार्यकर्ताओं ने अपनी पदयात्रा के दौरान लोगों को अरावली के महत्व और इसके संरक्षण की आवश्यकता के बारे में बताने का संकल्प लिया।

मंडावर में स्व. रामेश्वर प्रसाद शर्मा की पुण्यतिथि पर मेट्रोमास अस्पताल द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

400 मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया भरोसे का उपचार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर की अस्पताल रोड स्थित पंचायती धर्मशाला शुक्रवार को मानवीय सेवा की मिसाल बन गई, जब स्वर्गीय रामेश्वर प्रसाद शर्मा की बारहवीं पुण्यतिथि पर मेट्रोमास अस्पताल जयपुर के सहयोग से भव्य निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन श्रीकृष्णा इंडेन गैस एजेंसी मंडावर के प्रबंधक और रेला फार्मा के निदेशक डॉ. श्याम गौड़ द्वारा किया गया, जिन्होंने बताया कि वे हर वर्ष अपने दिवंगत पिता की पुण्य स्मृति में यह सेवा शिविर आयोजित करते हैं, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों का उपचार बिना खर्च मिल सके। सुबह से शाम तक चले इस शिविर में 400 मरीजों ने पंजीकरण करवाया और सभी को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आवश्यक जांच व परामर्श दिया गया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋषभ माथुर ने 57 मरीजों की जांच कर 42 मरीजों के ईसीजी परीक्षण किए। वहीं न्यूरो विशेषज्ञ डॉ. रिंकू शर्मा ने लकवा, सिर की चोट, मिर्गी सहित मस्तिष्क संबंधी बीमारियों से पीड़ित 58 मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया और भविष्य में इन बीमारियों के साइड इफेक्ट से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण सलाह भी प्रदान की। फिजिशियन डॉ. अविनाश कुल्हड़ ने सर्दी-जुकाम, उल्टी-दस्त और सामान्य संक्रमणों से पीड़ित 140 मरीजों का परीक्षण किया, जबकि वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. हनुमानसिंह ने 106 मरीजों को सामान्य रोगों संबंधी चिकित्सा परामर्श दिया। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. राकेश रंजन ने फ्रैक्चर, घुटनों के दर्द, कंधे जाम सहित हड्डी संबंधी परेशानियों की जांच कर ग्रामीण मरीजों को राहतकारी सुझाव दिए। शिविर में 44 मरीजों के हड्डी कैल्शियम परीक्षण किए गए और 42 मरीजों के ब्लड शुगर सैंपल लिए गए। इसके साथ ही 106 मरीजों की फेफड़ों की जांच की गई और डीएमडी मशीन से कई मरीजों के लिए उन्नत स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें जरूरी परामर्श दिया गया। शिविर के दौरान सेवा भाव में सहयोगी बने योगेश गौड़, मुकेश गौड़ सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक–उमेश हल्दैनिया, अनुज पाराशर, मोहनलाल शर्मा, फूलचंद अग्रवाल–के साथ अनेक महिला-पुरुष और बुजुर्ग बड़ी संख्या में मौजूद रहें।

महवा में जिला अग्रवाल सम्मेलन का भव्य प्रतिभा सम्मान व नववर्ष स्नेह मिलन आज

राष्ट्रीय नेतृत्व की उपस्थिति में होगा सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । उपखंड मुख्यालय स्थित भरतपुर रोड पर अग्रवाल कॉलेज का प्रांगण आज रविवार को समाज की प्रतिभा और एकता के रंगों से सराबोर होने जा रहा है, जहां जिला अग्रवाल सम्मेलन दौसा द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान एवं नववर्ष स्नेह मिलन समारोह को अंतिम रूप दे दिया गया है। आयोजन से जुड़ी तैयारियों की जानकारी देते हुए महवा इकाई के महामंत्री ताराचंद गोयल ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन मुख्य संयोजक रामनिवास गोयल तथा संयोजक एवं इकाई अध्यक्ष सतीश चंद्र गर्ग की देखरेख में किया जाएगा जबकि जिला स्तर पर अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, जिला महामंत्री नवरत्न बंसल और कॉलेज इकाई के वरिष्ठ पदाधिकारी आयोजन को सुचारु बनाने में जुटे हुए हैं। समारोह में जिले सहित विभिन्न इकाइयों के उन छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने शैक्षणिक उपलब्धियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, साथ ही सरकारी सेवाओं में चयनित युवा भाई-बहनों को समाज के सामने सम्मान के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। इस गरिमामयी मंच पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बयाना विधायक रितु बनावत द्वारा की जाएगी। कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष गिरीश गर्ग,महवा विधायक राजेंद्र मीणा, प्रदेश महामंत्री सन्मति हरकारा, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष हेमराज जिंदल, राष्ट्रीय युवा कोषाध्यक्ष पुष्पेंद्र गुप्ता, राष्ट्रीय मंत्री गणपत मंगल तथा प्रदेश महिला अध्यक्ष आरती गुप्ता सहित प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर के कई पदाधिकारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराएंगे। समारोह में न्यायिक और प्रशासनिक सेवाओं में योगदान देने वाले समाज के वरिष्ठ जन भी उपस्थित रहेंगे जिनमें संतोष अग्रवाल एडीजे दौसा, सुनील आर्य सेटलमेंट ऑफिसर भरतपुर, दिनेश अग्रवाल एडिशनल एसपी जयपुर ग्रामीण, डीवाईएसपी उमेश बंसल, पंचायत समिति सदस्य पूजा गुप्ता, मंडावर के प्रतिनिधि शिवचरण सैकड़ा तथा दौसा भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष जीडी बंसल शामिल हैं। महआ इकाई ने बताया कि आयोजन स्थल पर मंच, स्वागत, आवभगत और प्रतिभागियों की व्यवस्था को लेकर कॉलेज इकाई के अध्यक्ष राकेश बंसल, महामंत्री महेंद्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष योगेंद्र गोयल, जिला युवा अध्यक्ष रोहित गर्ग, कॉलेज कोषाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, चंद्रप्रकाश बंसल, अनिल सिंघल, विमल बंसल, संतोष हडिया और इकाई युवा अध्यक्ष विजय सिंघल सहित सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर व्यवस्थाओं को अंतिम स्वरूप दे दिया है।

साहिबजादों की शहादत विश्व इतिहास की महान प्रेरणा- सुभाष बराला

वीर बाल दिवस पर श्रीराम ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने दी साहिबजादों को श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । वीर बाल दिवस के अवसर पर डांगरा रोड स्थित श्रीराम ग्लोबल स्कूल द्वारा सिख इतिहास के महान बलिदानों को स्मरण करते हुए हिसार बाईपास स्थित श्री गुरु नानक धर्मशाल साहिब गुरुद्वारे में सुखमणी साहिब जी का पाठ एवं शब्द कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरबंस दानी श्री गुरु गोबिंद सिंह, पिता श्री गुरु तेग बहादुर, माता मानयोग गुजरी, साहिबजादे बाबा अजीत सिंह, बाबा शजुझार सिंह, छोटे साहिबजादे बाबा फतेह सिंह और बाबा जोरावर सिंह की शहादत को नमन करते हुए सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम उपरांत देग प्रसाद का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, एसडीएम आकाश शर्मा, डीएसपी उमेद सिंह, अनिल भाटिया, हरविंद्र सिंह लाली, रिंकू मान, लक्ष्मण, रमन मडिया, दीपक बंसल, जगजीत नडैल, ओमकार, जसकरण सिंह सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने गुरुद्वारे में माथा टेककर अपनी श्रद्धा प्रकट की। गुरु की प्यारी साध-संगत को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि साहिबजादों की शहादत विश्व इतिहास की सबसे महान और अनुपम शहादतों में से एक है, जिसे युगों-युगों तक स्मरण किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हम उस महान भूमि के वासी हैं, जहां गुरुओं ने धर्म, मानवता और सत्य की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने गुरु नानक देव के जीवन और उपदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समानता, सेवा और सत्य का जो संदेश उन्होंने दिया, वह आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक है। श्रीराम ग्लोबल स्कूल द्वारा आयोजित यह आध्यात्मिक कार्यक्रम समाज को संस्कारों से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है। हमें गुरुओं की परंपरा और भारतीय संस्कृति को हृदय से अपनाना चाहिए। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों ने भावपूर्ण शब्द-कीर्तन 'रातां लम्मियां ते रास्ते पहाड़ दी, तुरे जांदे गुरां दे लाल जी' प्रस्तुत कर संगत को निहाल किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल की प्राचार्या प्रीति जैन ने साहिबजादों की अद्वितीय शहादत के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार कठोर ठंड और अत्याचारों के बीच भी अडिग साहस दिखाया। विद्यालय प्रबंधक मनदीप बराला ने विद्यार्थियों से गुरुओं द्वारा दिखाए गए सत्य, साहस और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुरुओं के बताए आदर्शों को जीवन में अपनाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर गुरुद्वारे में विद्यार्थियों की सफलता एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए विशेष अरदास भी की गई। श्रीराम ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा राहगीरों के लिए चाय व बिस्कुट का लंगर भी वितरित किया गया।

वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी और राजेंद्र राठौड़ का दहिया के नेतृत्व में पिलानी में भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री) डॉ. अरुण चतुर्वेदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ का पिलानी पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। चांदगोठी (राजगढ़) जाने के मार्ग पर पिलानी रुकने के दौरान राजेश दहिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुभाष पूनिया और पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव सिंह के साथ कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में गुमान सिंह गरिंडा, देवेंद्र नुहंद, चिड़ावा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास स्वामी और चिड़ावा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर भी मौजूद रहें। अभिनंदन करने वालों में पिलानी नगर मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह, डुलानिया मंडल अध्यक्ष होशियार शर्मा, नगर निकाय जिला संयोजक मुरली मनोहर शर्मा और पंचायत राज प्रकोष्ठ जिला संयोजक दलीप स्वामी सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए संगठन की मजबूती पर चर्चा की।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर में 397 का हुआ पंजीयन

लेंस प्रत्यारोपण के लिए 185 रोगियों का चयन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

राजकीय माध्यमिक विद्यालय दूधवालों का बास में 32 वां नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर गुरुवार को शुरू हुआ। जिसमें 397 रोगियों का रजिस्ट्रेशन किया गया। पूर्व सरपंच भोलूराम दूधवाल ने बताया कि लहर फुटवियर के निर्माता जयनारायण मोहनलाल चैरिटेबल ट्रस्ट झुंझुनू व जिला स्वास्थ्य समिति के सहयोग म्हाल चंद मोहनलाल व रमेश चंद्र अग्रवाल की पुण्य स्मृति में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर प्रात: 8 बजे पंजीयन के साथ शुरू हुआ। बुद्धि प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि जयपुर के सहाय हॉस्पिटल की टीम के द्वारा 397 रोगियों की जांच कर उपचार परामर्श एवं दवाइयां दी गई। तथा उनमें से 185 नेत्र रोगियों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयन किया गया। जिनके ऑपरेशन सहाय हॉस्पिटल जयपुर में रविवार को किए जाएंगे। डॉक्टर प्रीति गोयल की टीम के द्वारा 54 दंत रोगियों की जांच का उपचार दिया गया। शिविर में आने वाले रोगियों को आवास भोजन दवाइयां उपलब्ध कराई गई । इस मौके पर राजकुमार, नवीन कुमार, बुद्धि प्रकाश,कैलाश चंद्र अग्रवाल, पूर्व सरपंच भोलूराम दूधवाल, पूर्व व्यवस्थापक हरफूल सिंह, सहायक व्यवस्थापक हंसराज, कुंदन मल जांगिड़ , डॉक्टर दुष्यंत कुमार, डॉक्टर नितेश कुमार, मेल नर्स जयप्रकाश गुर्जर, पूर्व उपसरपंच रामगोपाल डोरवाल सहित अनेक लोग मौजूद थे।

टोहाना के मॉडल के.एम. स्कूल के एनएसएस शिविर में हिंदी प्रतियोगिता का शानदार आयोजन

मुख्य अतिथि अजमेर सिंह पूनिया ने बढ़ाया स्वयंसेवकों का उत्साह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । स्थानीय मॉडल के.एम. स्कूल टोहाना की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पाँचवें दिन शनिवार 'हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति' पर आधारित प्रश्नोंतरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अजमेर सिंह पूनिया उपस्थित रहे, जिनका स्वागत स्कूल प्रबंधन और एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा गर्मजोशी के साथ किया गया। शिविर के दौरान भाषण, 'हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति' पर आधारित प्रश्नोंतरी और स्वरचित काव्य पाठ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतिभागी मॉडल के.एम. स्कूल के 100 स्वयंसेवकों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उद्देश्य छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति गौरव की भावना जगाना और उनके संचार कौशल का विकास करना। मुख्य अतिथि अजमेर सिंह पूनिया ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि, मॉडल के.एम. स्कूल के विद्यार्थी न केवल पढ़ाई में बल्कि सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी रहते हैं। हिंदी हमारी पहचान है और एनएसएस हमें निस्वार्थ सेवा का संस्कार सिखाता है। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस के इन्चार्ज अनिल कुमार, नीति व स्कूल के प्राचार्य रणधीर सिंह ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व प्रिंसिपल रणधीर पूनियां, ए0एन0 बहुगुणा, तरसेम कुमार, संदीप पूनिया, सतपाल नैन, अमन पूनिया, नीति मेहता, अनिल, धर्मवीर सिंह और विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

हरियाणा के विधायक 5 स्टार होटलों में रुक सकेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंडीगढ़।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । प्रदेश के विधायक अब फाइव स्टार होटल में रुक सकेंगे। नए नियमों के तहत, उन्हें मेट्रो शहरों में 12 हजार और गैर-मेट्रो शहरों में 9 हजार तक के किराए पर लग्जरी होटल का कमरा लेने की अनुमति दी गई है। यह पिछली 5,000 की सीमा से 168 प्रतिशत अधिक है। हालांकि इसका फायदा उन्हीं विधायकों को होगा जो विधानसभा समितियों के सदस्य के रूप में दौरा करने जाएंगे। इसके अलावा, पूर्व विधायकों को भी यात्रा भत्ते के रूप में हर महीने 10 हजार एक्स्ट्रा मिलेंगे। बता दें कि विधायकों को हर महीने लगभग 2.25 लाख रुपए वेतन मिलता है। इसके अलावा, उन्हें मीटिंग में आने-जाने के लिए 18 रुपए प्रति किलोमीटर का भत्ता और साल में 3 लाख रुपए तक का यात्रा खर्च भी मिलता है। अब विधायकों को सरकार की तरफ से शानदार, होटलों में रुकने की सुविधा मिलेगी, क्योंकि चंडीगढ़ के अच्छे फाइव-स्टार होटलों में एक दिन का कमरा 9,000 से 12,000 रुपए तक का होता है। अभी विधायकों के वेतन 7 और भत्ते हरियाणा विधानसभा 7 (सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन) अधिनियम, 1975 के हिसाब से तय होते हैं, जिसमें समय - समय पर बदलाव किए गए हैं।

पूंजीपतियों को अरावली बेचने के विरोध में कांग्रेस का पैदल मार्च, कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में केंद्र और राज्य सरकार की अरावली नीतियों के विरोध में विशाल पैदल मार्च निकाला गया। विद्यार्थी भवन से शुरू होकर कलेक्ट्रेट तक पहुंचे इस मार्च में कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर अरावली की गलत परिभाषा प्रस्तुत कर इसे पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुभाष पूनिया और पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव सिंह के साथ कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में गुमान सिंह गरिंडा, देवेंद्र नुहंद, विजय पाण्डे सिंघाना, चिड़ावा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास स्वामी और चिड़ावा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर भी मौजूद रहें। अभिनंदन करने वालों में पिलानी नगर मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह, डुलानिया मंडल अध्यक्ष होशियार शर्मा, नगर निकाय जिला संयोजक मुरली मनोहर शर्मा और पंचायत राज प्रकोष्ठ जिला संयोजक दलीप स्वामी सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए संगठन की मजबूती पर चर्चा की।

स्काउट-गाइड शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का जिला अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं पर जताई प्रसन्नता, लक्ष्य केंद्रित कार्य का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय स्काउट-गाइड शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण गंगाधर सिंह सुंडा ने किया। शिविर की व्यवस्थाओं और प्रशिक्षण अनुशासन को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि जिला अध्यक्ष के आगमन पर स्काउट-गाइड कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संबोधन में सुंडा ने कहा कि शिविर में शामिल प्रशिक्षु अध्यापक-अध्यापिकाएं लक्ष्य केंद्रित होकर समर्पित भाव से कार्य करें, तभी सफलता सुनिश्चित होगी। उन्होंने स्काउट-गाइड की विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस आंदोलन के माध्यम से राष्ट्र के लिए अच्छे नागरिक तैयार होते हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रेलवे वाणिज्यिक अधिकारी ओमप्रकाश आर्य ने कहा कि स्काउटिंग सेवा का पर्याय है। स्काउट-गाइड से रोजगार के अवसर मिलते हैं और विदेश भ्रमण जैसी संभावनाएं भी खुलती हैं। आर्य ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर सभी को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर प्रशिक्षु शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिनमें आदिवासी नृत्य, धरती धोरा री और रंगीलो राजस्थान ने खूब सराहना बटोरी। यदुवंशी इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन सहेली के डी.एल.एड प्रभारी सुरेंद्र दायमा ने कहा कि स्काउट-गाइड शिविर जीवन में अविस्मरणीय अनुभव देता है। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्काउट मास्टर रामदेव सिंह गढ़वाल, स्काउट प्रभारी कविराज, दिनेश कुमार उपस्थित रहे। संचालन राष्ट्रीय ट्रेनिंग टीम के सदस्य व लीडर ट्रेनर रामावतार सबलानिया ने किया।

भारतीय दलित साहित्य अकादमी का शिक्षा, साहित्य, समाज सेवा सम्मान समारोह आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलियाग । भारतीय दलित साहित्य अकादमी जिला शाखा बारां का 17वा शिक्षा, साहित्य एवं समाज सेवा सम्मान समारोह रविवार को श्रीराम रिसॉर्ट खेड़लीगंज अटरू में आयोजित होगा। समारोह में राजस्थान के विभिन्न जिलों कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़, जयपुर, अलवर, झुंझुनूं, सीकर, चूरू, नागौर, बाड़मेर सहित देश के विभिन्न राज्यों मध्यप्रदेश, सिक्किम, वेस्ट बंगाल, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, दिल्ली से शिक्षा साहित्य, कला व समाज में उत्कर्ष कार्य से अपनी अनोखी पहचान देने वाली हस्तियां शिरकत करेंगी। अकादमी के जिला प्रवक्ता भूपेंद्र यादव व जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिरोहिया ने बताया कि समारोह भारतीय दलित साहित्य अकादमी के प्रदेशाध्यक्ष प्रो. स्वामी आत्माराम उपाध्याय के सानिध्य में आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि पंचायत समिति अटरू प्रधान वंदना नागर होगी एवं विशिष्ट अतिथि शांति सुंदास कॉर्डिनेटर भारतीय दलित साहित्य अकादमी सिक्किम एंड वेस्ट बंगाल, सुंदरी डोगर अध्यक्ष लॉर्ड बुद्ध संस्थान उत्तरप्रदेश, भोमाराम बॉस प्रदेश महामंत्री संगठन बालोतरा राजस्थान, इस्लाम मलिक अध्यक्ष सामाजिक एकता मंच नई दिल्ली होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्ण मुरारी दिलावर संरक्षक सरपंच संघ अध्यक्ष राजस्थान करेंगे। समारोह की मुख्य वक्ता हेमलता कासोटियां प्रदेशाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ भारतीय दलित साहित्य अकादमी जयपुर होंगी। समारोह के अतिथि राष्ट्रपति अवॉर्ड से सम्मानित बाबूलाल निर्मल राष्ट्रीय सचिव एवं एडवोकेट बद्रीलाल नागर संभागीय अध्यक्ष कोटा संभाग रहेंगे। तहसील अध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक दुर्गाशंकर नायक, जिला उपाध्यक्ष प्रह्लाद बैरवा ने बताया कि समारोह में संस्कृति व कला को संरक्षण देते हुए धनुष लीला लोकोत्सव को विशेष पहचान दिलाने वाले रामप्रसाद सोनी पूर्व सरपंच अटरू, शिक्षा के क्षेत्र में अंजू मिश्रा व्याख्याता अटरू, नीलम मुकेश वर्मा अध्यापिका झुंझुनूं, सुरेश मेघवाल नागौर, झाड़ू छोड़ कलम अभियान से दिव्या वाल्मीकि सामाजिक कार्यकर्ता चूरू, चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. रामनिवास नागर अटरू, डॉ. ओमप्रकाश सुमन मोठपुर, गौसेवा व प्रकृति संरक्षण में कस्तूरचंद नागर जिला परिषद सदस्य मूसई गुजरान, रक्तदान क्षेत्र में सुरेन्द्र बरखेड़ी सहित को सम्मानित किया जाएगा। इसी क्रम में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में उत्कर्ष प्रदर्शन करने वाली पद्माक्षी अवॉर्ड 2025 में चयनित छात्रा निहारिका मेघवाल कवाई जिसने कक्षा 10 अंग्रेजी माध्यम में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है उसे डॉ. अंबेडकर शिक्षा अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया जाएगा, वहीं राहुल नागर 95.83 प्रतिशत, जिज्ञासा जांगिड़ 95.67 प्रतिशत, अंकित सुमन 94.50 प्रतिशत, अमित मीणा 93.80 प्रतिशत, कुसुम नागर 92.80 प्रतिशत सहित सभी क्षेत्रों में लगभग 200 प्रतिभाओं को अंबेडकर शिक्षा सम्मान2025, अंबेडकर सेवा सम्मान, अंबेडकर सेवा श्री सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। समारोह के संयोजक ने बताया कि आगंतुक अतिथिगण एवं समस्त प्रतिभाएं प्रात: 11 बजे राधिका प्लाजा सालपुरा रोड अटरू एकत्रित होगी जहां से जुलूस के रूप में मुख्य बाजार हॉट चौक होते हुए श्री राम रिसॉर्ट तक पहुंचेगी। इसके पश्चात समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्य बाजार में अतिथियों एवं प्रतिभाओं का जगह-जगह पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत किया जाएगा।

खेलो जीवनी' का समापन, अग्नि हाउस बना विजेता, खिलाड़ियों ने दिखाया दम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

जीवनी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित चार दिवसीय खेल प्रतिस्पर्धा 'खेलो जीवनी' का शनिवार को हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। समारोह की अध्यक्षता जीवनी ग्रुप के चेयरपर्सन सांवरमल मील, सचिव भगवती मील और निदेशक रितेश मील ने की। शैक्षणिक कार्यवाहक सुनील वर्मा ने बताया कि अंतिम दिन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच विभिन्न खेल स्पर्धाएं हुईं। सीनियर वर्ग में 100 से 800 मीटर रेस, वॉलीबॉल, कबड्डी और खो-खो के मुकाबले हुए, वहीं जूनियर वर्ग में फ्रॉग रेस और जलेबी रेस आकर्षण का केंद्र रही। अभिभावकों के लिए आयोजित म्यूजिकल चेयर और लेमन रेस ने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। चारों सदनों (वायु, जल, पृथ्वी, अग्नि) के बीच कड़ी टक्कर में 'अग्नि हाउस' ने खिताबी जीत दर्ज की। सांवरमल मील ने विजेता हाउस मास्टर पृथ्वी सिंह, सरोज सैनी और विद्यार्थियों को ट्रॉफी सौंपी। विशिष्ट अतिथि भगवती मील ने मेडल व प्रमाण-पत्र बांटे। निदेशक रितेश मील ने खेल भावना से आगे बढ़ने का संदेश दिया। खेलों का आयोजन शारीरिक शिक्षक अंकित गजराज के मार्गदर्शन में हुआ। इस दौरान पूनम कोकचा, शिखा, मृणाली भारद्वाज सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ और खेल प्रशिक्षक मौजूद रहें।

'शब्दों में यथार्थ, दोहों में चेतना : डॉ. शिवताज सिंह

'ताज' की काव्य साधना का सजीव दस्तावेज'

भीम प्रज्ञा न्यूज़ . नारनौल।

साहित्य के क्षेत्र में कुछ क्षण ऐसे आते हैं जो केवल औपचारिक आयोजन नहीं होते, बल्कि वे विचार, संवेदना और सामाजिक चेतना के उत्सव बन जाते हैं। साहित्यकार एवं प्रगतिशील चिंतक डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' की नवीन कृति 'शब्द यथार्थ' (दोहा संग्रह) का लोकार्पण ऐसा ही एक अवसर रहा, जिसमें सहभागी होना मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से ही नहीं, बल्कि दैनिक भीम प्रज्ञा के प्रतिनिधि के रूप में भी एक गौरवपूर्ण क्षण है। यह केवल एक पुस्तक का विमोचन नहीं था, बल्कि उस साहित्यिक परंपरा का सार्वजनिक सम्मान था, जो सत्य, साहस और सामाजिक उत्तरदायित्व को अपनी आत्मा मानती है।

पुस्तक का आवरण देखते ही पाठक के मन में आकर्षण और उत्सुकता का संचार होता है। 'शब्द यथार्थ' जैसा सशक्त शीर्षक अपने आप में यह संकेत देता है कि यह कृति सजावटी शब्दों का नहीं, बल्कि जीवन और समाज के कठोर यथार्थ का सामना कराने वाली है। यही विशेषता डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' की समूची साहित्यिक यात्रा की पहचान रही है–स्पष्टवादिता, निर्भीकता और वैचारिक ईमानदारी।

मेरे लिए यह अनुभव और भी आत्मीय है क्योंकि इससे पूर्व उनकी कृति 'बहरे पाषाण' के विमोचन अवसर पर भी अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला था। उस काव्य संग्रह ने जिस प्रकार सामाजिक आवरण, श्रम की गरिमा और अंधविश्वास के विरुद्ध चेतना को स्वर दिया था, उसने हमारी साहित्यिक मित्रता को और अधिक वैचारिक मजबूती प्रदान की। 'शब्द यथार्थ' उसी यात्रा का अगला, अधिक परिपक्व और तीक्ष्ण पड़ाव है। जैसे ही यह पुस्तक हाथ में आई, दैनिक कार्यों और यात्रा की थकान के बावजूद इसे पढ़ने की उत्कंठा स्वतः जाग उठी। आवरण पृष्ठ खोलते ही प्रगतिशील साहित्य चिंतक कविवर सुंदरलाल 'उत्सुक' की काव्य पंक्तियाँ पाठक को भीतर तक प्रवेश का निमंत्रण देती हैं–

'श्री 'ताज' की लेखनी जब भी लिखती छंद,
धूर्त जन की बोलती कर देती है बंद।'

यह मात्र प्रशंसा नहीं, बल्कि डॉ. 'ताज' की लेखनी का सटीक मूल्यांकन है। वे कविता को सत्ता, स्वार्थ और चाटुकारिता के विरुद्ध एक नैतिक हथियार के रूप में प्रयोग करते हैं। आज के तथाकथित 'चमचा युग' में, जहाँ 'यस सर' की संस्कृति ने विवेक और स्वाभिमान को गिरवी रख दिया है, वहाँ डॉ. शिवताज सिंह की रचनाएँ साहस का पाठ पढ़ाती हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि ऐसे समय में सच कहना स्वयं में एक क्रांतिकारी कर्म बन चुका है।

पुस्तक के प्राक्कथन मेंयं साहित्यकार एवं चिंतक तारा राम साहब ने 'शब्द यथार्थ' की जिस मार्मिक व्याख्या की है, वह पाठक को केवल दोहों तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उनके पीछे छिपी वैचारिक ऊर्जा से परिचित कराती है। वहीं शिक्षाविद डॉ. सुमेर सिंह यादव द्वारा लिखा गया अग्रलेख 'रचना और रचनाकार के तेवर' डॉ. 'ताज' की जीवंतता, संघर्षशीलता और वैचारिक दृढ़ता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। डॉ. शिवताज सिंह ने आत्मकथ्य में स्पष्ट किया है कि उन्होंने दोहा छंद की परंपरा को केवल संरक्षित नहीं किया, बल्कि उसे नए सामाजिक संदर्भों में पुनर्परिभाषित किया है। दोहा–जो दिखने में छोटा होता है, पर अर्थ में गहन–उनकी लेखनी में उसी प्रकार प्रभावी है, जैसे बिहारी के दोहे–

'देखन में छोटे लगें, घाव करें गंभीर।'

डॉ. 'ताज' की विशेषता यह है कि वे दोहे की शास्त्रीय कठोरता को तोड़कर उसे लोकबोध और समकालीन भाषा से जोड़ते हैं। इससे दोहा अभिजात वर्ग तक सीमित न रहकर आम पाठक की चेतना का हिस्सा बन जाता है। यह कहा जा सकता है कि इस कृति में दोहे की एक नई, समकालीन धारा प्रवाहित हो रही है।

पुस्तक की विषय-वस्तु इसका सबसे सशक्त पक्ष है। साहित्य, कर्मवीरता, पारिवारिक संबंध, बेटी का सम्मान, शिक्षा, सत्य, कबीर, फुले, बाबा साहब आंबेडकर, न्याय, मीडिया, प्रकृति, पूंजीवाद, संविधान, लोकतंत्र, धर्म और अंधविश्वास, जाति, ईर्ष्या, दुर्जन–लगभग बीस विषयों में विभक्त यह संग्रह सामाजिक सूक्ष्मताओं से लेकर राष्ट्रीय विसंगतियों तक पर सटीक प्रहार करता है। यह केवल आलोचना नहीं, बल्कि समाज को आत्मावलोकन के लिए प्रेरित करने वाली रचनात्मक चेतावनी है।

कुछ दोहे मानवीय संवेदना को इस प्रकार जाग्रत करते हैं कि पाठक ठहरकर सोचने को विवश हो जाता है–

'देख पराई पीर को बहे नयन जलधार,
ऐसे करुणा-शील ही काव्य जगत आधार।'

वहीं स्वाभिमान की उद्घोषणा करते हुए कवि लिखते हैं–

'सूखी रोटी ही भली, भली फूस की छान,
स्वाभिमान धरती पर, चाहूँ ना सम्मान।'

ये पंक्तियाँ केवल कविता नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन हैं। वे उस मूल्यबोध की पुनर्स्थापना करती हैं, जिसे आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने हाशिए पर डाल दिया है।

सेवानिवृत्ति के बाद जिस ऊर्जा, प्रतिबद्धता और निरंतरता से डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' साहित्य सृजन में संलग्न हैं, वह स्वयं में एक उदाहरण है। यह सिद्ध करता है कि सृजन की कोई उम्र नहीं होती; विचार और संवेदना जीवित हों, तो लेखनी निरंतर चलती रहती है। उन्होंने अपने काव्य के माध्यम से समाज को न केवल आईना दिखाया है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए वैचारिक धरोहर भी सौंपी है।

निष्कर्षतः, 'शब्द यथार्थ' केवल एक दोहा संग्रह नहीं, बल्कि समय, समाज और सत्ता के बीच खड़े होकर सत्य कहने का साहसिक दस्तावेज है। यह पुस्तक पाठक को मनोरंजन नहीं, बल्कि मनन के लिए आमंत्रित करती है। ऐसी कृतियाँ ही साहित्य को जीवित रखती हैं और समाज को दिशा देती हैं। दैनिक भीम प्रज्ञा के माध्यम से इस कृति की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए यह विश्वास दृढ़ होता है कि डॉ. शिवताज सिंह 'ताज' की यह रचना आने वाले समय में समकालीन हिंदी साहित्य की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज होगी।दार, होटलों में रुकने की सुविधा मिलेगी, क्योंकि चंडीगढ़ के अच्छे फाइव- स्टार होटलों में एक दिन का कमरा 9,000 से 12,000 रुपए तक का होता है। अभी विधायकों के वेतन और भत्ते हरियाणा विधानसभा (सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन) अधिनियम, 1975 के हिसाब से तय होते हैं, जिसमें समय - समय पर बदलाव किए गए हैं।

टोहाना के बजरंग मॉडल स्कूल में मनाया गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादों की शहादत का कार्यक्रम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । आजाद नगर स्थित बजरंग मॉडल स्कूल में शुक्रवार को गुरु पिता गुरु गोविंद सिंह महाराज के चार साहिबजादों की शहादत के उपलक्ष्य में कार्यक्रम रखा गया। वीर बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय के संचालक विनय वर्मा वर्मा व प्रधानाचार्य अंजू वर्मा ने बताया कि यह जो सप्ताह अभी चल रहा है 21 दिसंबर से लेकर 27 दिसंबर तक ,इन्हीं 7 दिनों में गुरु गोविंद सिंह जी का पूरा परिवार शहीद हो गया था। 21 दिसंबर को गुरु गोविंद सिंह द्वारा परिवार सहित आनंदपुर साहिब किला छोड़ने से लेकर 27 दिसंबर तक के इतिहास को उन्होंने विस्तार पूर्वक बताया। इनकी शहादत पर प्राचार्य अंजू वर्मा ने बताया कि एक जमाना था जहां पंजाब में इस हफ्ते सब लोग जमीन पर सोते थे क्योंकि माता गुजरी कौर जी ने रात दोनों छोटे साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी के साथ नवाब वजीर खां की गिरफ्तारी में सरहंद के किले में ठंडी बुर्ज में गुजारी थी। यह सप्ताह सिक्ख इतिहास में शोक का सप्ताह होता है। गुरु गोविंद सिंह जी के साहबजादो को देश व धर्म के लिए बलिदान देने की भावना विरासत में मिली थी ।उनके दादा गुरु तेग बहादुर जी ने देश व धर्म के लिए अपना शीश बलिदान कर दिया था आज विद्यालय में चारों साहिबजादे की शहादत के उपलक्ष्य में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस श्रद्धांजलि में विद्यालय के सभी अध्यापक उपस्थित रहे। विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने मूल मंत्र का पाठ करके इस शहादत में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस उपलक्ष में बच्चों को चार साहिबजादे की फिल्म भी दिखाई गई जिससे बच्चों को अद्वितिय साहस, त्याग और बलिदान जैसे आदर्शो को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। महक और मीनू ने शहीदी दिवस पर चार साहबजादों की कविता सुनाई और अपने विचार व्यक्त किये।

फतेहाबाद पुलिस ने नशे का मेन सप्लायर दबोचा

थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेन्द्रा ने आरोपी विनय उर्फ दिनेश को किया गिरफतार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

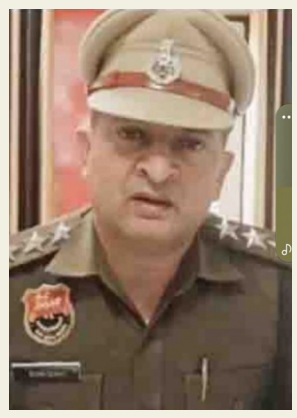

रजत विजय रंगा । फतेहाबाद सिटी थाना पुलिस ने नशा तस्करी के मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान गांव भोडियाखेड़ा के विनय उर्फ दिनेश के रूप में हुई है। आरोपी नेटवर्क का मुख्य सप्लायर बताया गया है। पुलिस की टीम द्वारा आरोपी से पूछताछ की जा रही है, उसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सिटी थाना प्रभारी सुरेंद्रा ने बताया कि आरोपी की ओर से नेटवर्क के माध्यम से हेरोइन की सप्लाई की जाती थी। इससे पहले इसी प्रकरण में वार्ड नंबर 10 के संन्यास आश्रम रोड पर भंवर उर्फ काका को पकड़ा गया था, जिसके पास से 20.026 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। उसकी स्कूटी सहित नशीला पदार्थ जब्त किया गया। इस बरामदगी के आधार पर शहर थाना फतेहाबाद में 16 अक्टूबर को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21बी, 61, 85 के तहत केस दर्ज किया गया। सुरेंद्रा ने बताया कि अन्य संदिग्धों की पहचान कर आगे की कार्रवाई लगातार जारी रखे हुए हैं।

टोहाना नगर परिषद के विकास कार्यों में आ रही गति-चैयरमेन नरेश बंसल

वार्ड 19 शक्ति नगर में नई सड़क का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । शहर के वार्ड नंबर 19 स्थित शक्ति नगर क्षेत्र में नई सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ नगर परिषद के चेयरमैन नरेश बंसल एवं वाइस चेयरपर्सन नीरू सैनी ने गलीवासियों के साथ मिलकर किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। चेयरमैन व वाइस चेयरपर्सन ने सड़क निर्माण को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि नई सड़क बनने से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा। इस मौके पर स्थानीय निवासियों द्वारा लड्डू बांटकर मुंह मीठा कराया गया और एक-दूसरे को बधाइयां दी गईं। इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी, रामकुमार, संजय गुप्ता, नीरज, महावीर सहित गली के गणमान्य लोग व नगर परिषद से जुड़े प्रतिनिधि भी मौजूद रहें।

महवा के शीशवाड़ा में दो दिवसीय रागिनी-भजन महोत्सव का हुआ समापन

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा व महवा विधायक ने कहा शीशवाड़ा को अब विकास में पीछे नहीं रहने देंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महव/शीशवाड़ा।

मनोज खंडेलवाल । महाराजा सूरजमल के 262वें बलिदान दिवस तथा पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरणसिंह की जयंती पर ग्राम शीशवाड़ा में दो दिवसीय रागिनी एवं भजन जकड़ी कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र में सांस्कृतिक उल्लास और ऐतिहासिक गौरव की अनुभूति को एक सूत्र में पिरो दिया। रागिनी संध्या में हरियाणा के प्रसिद्ध कलाकार सुरेंद्र बेनीवाल ने अपनी दमदार गायकी से ऐसा माहौल बनाया कि दर्शक मंत्रमुग्ध रह गए और महाराजा सूरजमल की रागिनी पर उपस्थित जनसमूह भाव-विभोर होकर देर तक तालियां बजाता रहा। भजन जकड़ी कार्यक्रम में तेजसिंह, भूपेंद्र, छवि देशवाल, पूजा डागुर और सावित्री ने भावपूर्ण धार्मिक प्रस्तुतियों से वातावरण को अध्यात्ममयी बना दिया। पूरे आयोजन का केंद्र बिंदु तब बना जब समारोह के समापन अवसर पर राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा तथा महवा विधायक राजेंद्र मीणा की चाचा-भतीजा की जोड़ी ने मंच पर पहुंचकर महाराजा सूरजमल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। ग्रामीणों ने दोनों जनप्रतिनिधियों का 51 किलो की माला पहनाकर तथा पारंपरिक कृषि प्रतीक 'हल' भेंट कर जोरदार स्वागत किया, वहीं 51 मीटर का साफा बांधकर ग्रामीणों ने आतिथ्य की परंपरा को नए आयाम दिए। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंच से घोषणा करते हुए कहा कि शीशवाड़ा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को विकास कार्यों में अब किसी भी स्थिति में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। उन्होंने हिंडौन तक सड़क निर्माण, चुरारी मार्ग के विकास सहित कई महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। मंत्री ने स्वीकार किया कि वे कुछ समय से क्षेत्र से दूर रहे, परंतु अब शीशवाड़ा सहित पूरे क्षेत्र में विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा और ग्रामीणों द्वारा दिए गए सम्मान को सदैव अक्षुण्ण रखा जाएगा। महवा विधायक राजेंद्र मीणा के बारे में कहा गया कि वे निरंतर क्षेत्र के बीच रहकर विकास के मुद्दों पर कार्य कर रहे हैं और आगे भी जनता के लिए समर्पित रहेंगे।

मंच संचालन योगेश शास्त्री ने किया और उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में गोवर्धन सरपंच तालचिड़ी, जिला परिषद सदस्य पप्पू झूंथा हेडा, पूर्व प्रधान सुबुद्धि मीणा, महवा देहात मंडल अध्यक्ष धारासिंह गुर्जर, खेड़ला मंडल अध्यक्ष राजबहादुर, उपप्रधान धर्मेंद्र मीणा, डॉ. जगमोहनलाल मीणा सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, युवा एवं ग्रामीण मौजूद रहे। साथ ही चैनसिंह, राहुल देशवाल, पुरुषोत्तम, अनिकेत चौधरी, रंजीत देशवाल, रोबिन, जगबीर, ओमप्रकाश डीलर, संजीव, रोशनसिंह देशवाल, मुरारी देशवाल, दीनदयाल देशवाल, सुजान भगत, हरवीर सिंह देशवाल, श्रीमन जाटव, मुरारी धोबी, सुजान प्रजापत, केदार प्रजापत, कुलदीप जाटव, देवो, कल्ला, देवीसिंह सहित सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप प्रदान किया।

एएलपी कंपनी में यातायात सुरक्षा अभियानः पुलिस अधिकारियों ने कर्मचारियों को दिए रोड सेफ्टी व साइबर सुरक्षा के टिप्स

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड के शाहजहांपुर मे एएलपी कंपनी परिसर में शनिवार शाम को यातायात सुरक्षा अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य कंपनी कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों तथा साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा। नीमराना डीएसपी चारुल गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक के दौरान कर्मचारियों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, सुरक्षित यात्रा के उपायों और यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही साइबर अपराधों से बचने के लिए सतर्कता बरतने और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की भी जानकारी दी गई। बैठक में नीमराना के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश खिंची, नीमराना डीएसपी चारुल गुप्ता, शाहजहांपुर थानाधिकारी प्रकिता सिंह, कांस्टेबल रामसिंह गुर्जर सहित एएलपी कंपनी के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कर्मचारियों को हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, वाहन के आवश्यक कागजात पूरे रखने तथा जिम्मेदार वाहन संचालन के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन न केवल स्वयं की सुरक्षा के लिए जरूरी है, बल्कि यह दूसरों की जान बचाने में भी अहम भूमिका निभाता है। बैठक के अंत में कर्मचारियों से अपील की गई कि वे सुरक्षित, सतर्क और जिम्मेदार नागरिक बनते हुए यातायात नियमों का पूर्ण रूप से पालन करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

श्रद्धा, विश्वास व आस्था का केन्द्र बना शंकुतला वाटिका, शिव महापुराण कथा में उमड़ी श्रद्धा, यजमान थिरके श्रद्धा के साथ

भगवान शिव संपूर्ण विश्व के उद्धारक- डॉ. स्वामी मुक्तानंद पुरी महाराज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

यहां शंकुतला वाटिका में लक्ष्मनगढ नागरिक परिषद की ओर से आयोजित की जा रही शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन व्यासपीठ पर विराजमान होकर कथावाचक डॉ मुक्तानंद पुरी महाराज ने बताया कि भगवान शिव संपूर्ण विश्व के उद्धारक है। उन्होंने कहा भगवान शिव के स्मरण मात्र से ही सारे पाप धुल जाते हैं। महाराजश्री ने कहा कि भगवान शिव सभी प्रकार के भय,डर व मृत्यु को दूर करने वाले हैं। उन्होंने कहा व्यक्ति को कभी क्रोध नहीं करना चाहिए। महाराजश्री उन्होंने भगवान शिव के प्रसाद को ग्रहण करने और नही करने की भ्रांति को विस्तृत रूप से व्याख्या करते हुए विल्व वृक्ष की महिमा बताई। कथा के दौरान श्रद्धा, विश्वास व आस्था का केन्द्र बन गया जहां बड़ी तादाद में श्रद्धालु भक्त कथा सुनने पहुंचे। इस दौरान शिव महापुराण कथा के दौरान यजमान श्रद्धा के साथ थिरकते हुए भी नजर आयें। कथा के दूसरे दिन शनिवार को शिव पार्वती विवाह का दिव्य भव्य आयोजन देखने को मिला, व्यास पिठ से कथा वाचक डॉ मुक्तानंद पुरी महाराज ने जैसे ही शिव पार्वती विवाह के प्रसंग का वर्णन किया वैसे ही मंच के समक्ष वर वधू के रूप में सजीव झांकी प्रकट हुई ।शिव पार्वती विवाह के इस जिवंत दृश्य को देखकर सम्पूर्ण कथा स्थल ? नमः शिवाय की सामूहिक ध्वनि से गूज उठा ।कथा के दौरान, अलग-अलग मुख वाले रूद्राक्ष तथा भगवान शिव से जुड़े अन्य अनेक प्रसंगों का भी भजन किर्तन के साथ वर्णन किया। कथा में शेखीसर आश्रम के महन्त दयाल गिरी महाराज, मीरण के मुक्तिनाथ महाराज,मोहनानंद महाराज, बड़े मंदिर के महंत अशोक दास महाराज,परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष अशोक चूड़ीवाला सचिव संदीप तोदी सुरेंद्र शर्मा, राजेंद्र सांगानेरिया विमल जसरासरीया, सुरेन्द्र चमड़ियां , लक्ष्मनगढ अध्यक्ष विष्णु भूत, संरक्षक राजकुमार पारीक, पार्षद पवन बुटोलिया, सचिव निशांत गोयनका , प्रवीण वर्मा, विजय जालान, अनिल मुरारका, लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, संदिप बजाज, विनिता पुजारी,सोनू सोमानी, गीता जोशी, निशा तोलानी, वर्षा भूत,सुनिल बूबना, शशिकांत पुजारी, सचिन झांकल, रामस्वरूप सोमानी, अनिल मिश्रा, सुशील जाजोदिया, नटवर झांकल, रामनिवास शर्मा, एडवोकेट नटवर जोशी, दीपक जाजोदिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद थे।

कर्मचारी महासंघ की कार्यकारिणी गठित, महबूब अली ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ की ब्लाक कार्यकारिणी सर्वसम्मति से गठित की गई। चुनाव पर्यवेक्षक उपेन्द्र शर्मा, कैलाश चंद्र वर्मा की देखरेख में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर 2 में आयोजित ब्लॉक कार्यकारिणी में महबूब अली को अध्यक्ष, रिछपाल सिंह खींचड़ को मंत्री, परमेश्वर लाल बेनीवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, विनोद भडिया व अरविंद भास्कर को उपाध्यक्ष, लक्ष्मीकांत शर्मा,शेशराज महला को संयुक्त मंत्री, सुरेंद्र पुनिया को संगठन मंत्री, अमित जोशी को विधि मंत्री,गौरव शर्मा को कार्यालय मंत्री, रामावतार फगेडिया को संयोजक, प्रेमसिंह डोटासरा, राजेंद्र नेण, देवीसिंह मूण्ड को संरक्षक सदस्य बनाया गया।

● 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को सीधे टीम इंडिया में शामिल करने की उठी मांग, विजय हजारे में मचाया कोहराम

'अगला सचिन मिल गया!'

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बीसीसीआई से एक बड़ी सिफारिश की है। उन्होंने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की तुलना महान सचिन तेंदुलकर से करते हुए उन्हें जल्द से जल्द सीनियर टीम में शामिल करने की वकालत की है। श्रीकांत का मानना है कि जिस तरह सचिन तेंदुलकर ने मात्र 16 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था और दुनिया पर छा गए थे, ठीक उसी तरह वैभव सूर्यवंशी में भी वह असाधारण प्रतिभा, धैर्य और तकनीक मौजूद है। श्रीकांत के अनुसार, वैभव ने यह साबित कर दिया है कि वह बड़ी उम्र के खिलाड़ियों के खिलाफ भी सहजता से खेल सकते हैं और उनमें उच्च स्तर के क्रिकेट के साथ तालमेल बिठाने की अद्भुत क्षमता है।

विजय हजारे ट्रॉफी में ऐतिहासिक और तूफानी प्रदर्शन

वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में जो कारनामा किया है, उसने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा है। विजय हजारे ट्रॉफी के एक मुकाबले में उन्होंने लिस्ट ए क्रिकेट का सबसे युवा शतकवीर बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने मात्र 84 गेंदों में 190 रनों की पारी खेली, जिसमें 15 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वैभव ने अपना शतक केवल 36 गेंदों में पूरा कर लिया था, जिसने गेंदबाजों को पूरी तरह से बेबस कर दिया।

श्रीकांत का तर्क है कि इस तरह का प्रदर्शन किसी भी स्तर पर किया जाए, वह खिलाड़ी की असली क्षमता को दर्शाता है और चयनकर्ताओं को इसे तुरंत पहचानना चाहिए। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए श्रीकांत ने उन लोगों को करारा जवाब दिया जो कहते हैं कि युवा खिलाड़ियों को अभी और अनुभव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वैभव हर जगह रन बना रहे हैं, चाहे वह आईपीएल हो या अंडर-19 क्रिकेट। श्रीकांत ने स्पष्ट किया कि हालांकि कुछ लोग अरुणाचल प्रदेश जैसी टीमों के खिलाफ प्रदर्शन को कम आंक सकते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि यह लड़का हर मैच में विरोधियों की धुनाई कर रहा है। उन्होंने अफसोस जताया कि शायद टी20 वर्ल्ड कप के लिए अब बहुत कम समय बचा है, लेकिन अभी भी उन्हें टीम में शामिल करके जल्द तैयार किया जा सकता है। श्रीकांत के अनुसार, सफेद गेंद के क्रिकेट में वैभव को वही मौका दिया जा सकता है जो शुरुआती दिनों में सचिन को मिला था।

रोहित शर्मा का बल्ला अबकी बार दगा दे गया... गोल्डन डक पर आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय हजार ट्रॉफी 2025-26 में रोहित शर्मा 26 नवंबर (शुक्रवार) को भी मैदान पर उतरे. अबकी बार मुंबई का सामना उत्तराखंड से था. इस मुकाबले में मुंबई के सलामी बल्लेबाज रोहित से बड़े इनिंग्स की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने सवाई मानसिंह स्टेडियम में मैच देखने आए हजारों फैन्स को मायूस किया. 38 साल के रोहित खाता भी नहीं खोल पाए और अपनी पहली ही गेंद पर चलते बने. यानी रोहित गोल्डन डक पर आउट हुए. रोहित शर्मा को दाएं हाथ के मीडियम पेसर देवेंद्र सिंह बोरा ने चलता किया.

विजय हजारे ट्रॉफी :

राजेश मोहंती ने रचा इतिहास, लिस्ट ए में हैट्रिक लेने वाले ओडिशा के पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में ओडिशा क्रिकेट के लिए एक यादगार पल सामने आया, जब तेज गेंदबाज राजेश मोहंती ने इतिहास रच दिया। बेंगलुरु के अलूर क्रिकेट स्टेडियम में सर्विसेज के खिलाफ मुकाबले में मोहंती ने लिस्ट ए क्रिकेट में हैट्रिक लेकर ओडिशा के पहले गेंदबाज़ बनने का गौरव हासिल किया। यह उपलब्धि न सिर्फ उनके करियर का अहम मोड़ है, बल्कि ओडिशा के घरेलू क्रिकेट के बढ़ते कद को भी दर्शाती है। ओडिशा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया और शुरुआत से ही सर्विसेज पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। पारी के सातवें ओवर में राजेश मोहंती ने वह कारनामा कर दिखाया, जिसने मैच की दिशा तय कर दी। उन्होंने पहले सागर दहिया को क्लीन बोल्ड किया, इसके बाद अगली ही गेंद पर आयुष शुक्ला को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। लगातार दो विकेट गिरने से सर्विसेज की बल्लेबाज़ी पूरी तरह लड़खड़ा गई। हैट्रिक की गेंद पर मोहंती ने कोई कसर नहीं छोड़ी। तीसरी लगातार गेंद पर उन्होंने रवि चौहान को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। गोल्डन डक के साथ पूरी हुई यह हैट्रिक ओडिशा क्रिकेट के इतिहास में दर्ज हो गई। इसके साथ ही मोहंती लिस्ट ए क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले राज्य के पहले गेंदबाज़ बन गए। मोहंती की घातक गेंदबाज़ी का असर पूरी सर्विसेज टीम पर साफ दिखा। ओडिशा के गेंदबाज़ों ने मिलकर विपक्षी बल्लेबाज़ी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। सर्विसेज की टीम महज़ 83 रन पर ऑल आउट हो गई, जो विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में उनका दूसरा सबसे कम स्कोर रहा। मोहंती ने नौ ओवर में 3/25 के बेहतरीन आंकड़े दर्ज किए।

अल्पाइन एसजी पाइपर्स बनी ग्लोबल चैस लीग चैंपियन, ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को हराया

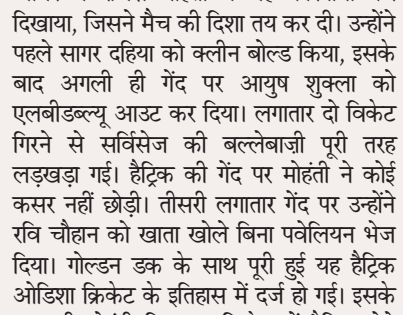

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल चैस लीग के तीसरे सत्र के फाइनल में अल्पाइन एसजी पाइपर्स ने दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। टेक महिंद्रा और फ़ीडे की संयुक्त पहल इस लीग का फाइनल मुकाबला उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरा। फाइनल में पाइपर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले रैपिड मैच में काले मोहरों से 4-2 की जीत दर्ज की, इसके बाद सफेद मोहरों से 4.5-1.5 से बाज़ी अपने नाम कर ली।

इस जीत के साथ अल्पाइन एसजी पाइपर्स पहली बार ग्लोबल चेस लीग की चैंपियन बनी। लीग चरण में बेहद मामूली अंतर से फाइनल में जगह बनाने वाली पाइपर्स टीम फाइनल में पूरी तरह हावी दिखी। महिला और प्रोडिजी बोर्ड पर नीनो बातश्विली और लियोन ल्यूक मेंडोंसा ने एक बार फिर टीम के लिए निर्णायक भूमिका निभाई। नीनो ने एलेक्जेंड्रा कोस्तेनियुक को बिशप-नाइट एंडगेम में हराया, जबकि मेंडोंसा ने 52 चालों में मार्क-आंद्रिया मौरिज़ी को पराजित किया।

ईयर एंडर 2025:

वरुण नंबर 1

● बुमराह, अर्शदीप से आगे कुलदीप

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2025 में भारत ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में गजब का प्रदर्शन किया और टीम इंडिया की सफलता का रेट शानदार रहा। इस साल भारत ने कुल 22 मुकाबले खेले जिसमें से टीम इंडिया को 16 मैचों में जीत मिली जबकि सिर्फ 3 मैच में भारत को हार का मुंह देखना पड़ा तो वहीं 3 मैच बिना किसी नतीजे से समाप्त हुए।

वरुण चक्रवर्ती ने लिए सबसे ज्यादा विकेट

भारत ने साल 2025 का अंत ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका जैसी टीमों को हराकर किया और साल का समापन नंबर वन रैंक वाली टीम के रूप में किया। इस साल भारत के इस दमदार प्रदर्शन में टीम के गेंदबाजों का बेहतरीन योगदान रहा, लेकिन स्पिनरों ने इसमें बाजी मारी और सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में वरुण चक्रवर्ती पहले नंबर पर जबकि कुलदीप यादव दूसरे नंबर पर रहे। यही नहीं इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर अक्षर पटेल रहे यानी इस साल टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप 5 गेंदबाजों में पहले तीन तो स्पिनर ही रहे जबकि चौथे नंबर पर अर्शदीप सिंह तो वहीं पांचवें स्थान पर जसप्रीत बुमराह रहे। वरुण ने साल 2026 मे भारत की तरफ से टी20आई में 18 पारियों में सबसे ज्यादा 36 विकेट लिए और जिसमें साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने कुल 10 विकेट चटकाए।

कुलदीप यादव ने 9 पारियों में चटकाए 21 विकेट

कुलदीप यादव ने इस साल 9 पारियों में 21 विकेट लिए और दूसरे नंबर पर रहते हुए साल का समापन किया। उन्होंने इन मैचों में दो बार फोर विकेट हॉल लेने का भी कमाल किया। एशिया कप 2025 में कुलदीप ने सबसे ज्यादा 17 विकेट लिए जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ 30 रन देकर 4 विकेट भी शामिल था। भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल 17 विकेट लेकर इस साल टी20आई में भारत के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने।

उन्होंने 19.17 की औसत और 6.93 की इकॉनमी से विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने इस साल कुल 11 मैच खेले जिसमें उन्होंने 15 विकेट हासिल किए और चौथे स्थान पर रहे जबकि भारतीय गेंदबाजों की इस खास लिस्ट में पांचवें नंबर पर बुमराह रहे और उन्होंने 2025 में 11 टी20 मैचों में 14 विकेट लेकर साल खत्म किया। बुमराह ने अपने सभी विकेट सिर्फ 20.92 की औसत और 8 से कम की इकोनॉमी रेट से लिए।

पूर्व क्रिकेटर की वैकल्पिक टी20 वर्ल्ड कप टीम से भी बाहर

शुभमन गिल को एक और झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे शुभमन गिल के लिए यह दौर आसान नहीं चल रहा है। टी20 वर्ल्ड कप की आधिकारिक भारतीय टीम से बाहर होने के सदमे से उबरने से पहले ही उन्हें एक और निराशा हाथ लगी है। इस बार उन्हें पूर्व भारतीय ओपनर और मौजूदा क्रिकेट एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा की चुनी गई वैकल्पिक 15-सदस्यीय टी20 वर्ल्ड कप टीम में भी जगह नहीं मिली। चोपड़ा के इस फैसले ने गिल की टी20 भूमिका और भविष्य को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

आकाश चोपड़ा का हल्का-फुल्का लेकिन तीखा तंज

आकाश चोपड़ा ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति द्वारा नजरअंदाज किए गए खिलाड़ियों में से एक वैकल्पिक टीम चुनी। इस प्रक्रिया को उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में पेश किया, लेकिन शुभमन गिल को बाहर रखने का कारण साफ शब्दों में बताया। चोपड़ा ने कहा कि अगर मौजूदा भारतीय टी20 सेटअप को 'एंकर' बल्लेबाज की जरूरत नहीं है, तो वह खुद भी ऐसे खिलाड़ी को टीम में क्यों शामिल करें।

'एंकर की जरूरत नहीं', इसलिए गिल बाहर

टीम की घोषणा के बाद चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को जानबूझकर नहीं चुना गया। उनके मुताबिक, गिल को फिलहाल टेस्ट और वनडे क्रिकेट के लिए छोड़ा गया है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि कई लोग उन पर गिल का समर्थन करने का आरोप लगाते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने साफ तौर पर उन्हें टीम से बाहर रखा है। चोपड़ा के बयान को गिल की टी20 शैली पर एक अप्रत्यक्ष टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा है।

आधिकारिक टीम से बाहर होना भी रहा बड़ा सरप्राइज

शनिवार को घोषित भारतीय टी20 वर्ल्ड कप टीम में शुभमन गिल का नाम न होना कई फैंस के लिए चौंकाने वाला था। उप-कप्तान होने के बावजूद उन्हें बाहर कर दिया गया, जबकि ईशान किशन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी फाइनल में शतक के बाद टीम में शामिल किया गया। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया कि यह फैसला टीम संयोजन और बैक-अप विकेटकीपर की जरूरत को ध्यान में रखकर लिया गया।

ओपनिंग कॉम्बिनेशन और टीम बैलेंस

भारतीय टीम वर्ल्ड कप में संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को मुख्य ओपनर के रूप में उतारने की योजना में है, जबकि ईशान किशन रिज़र्व विकल्प होंगे।

इससे पहले एशिया कप के दौरान गिल की वापसी ने इस सफल ओपनिंग जोड़ी को तोड़ दिया था, जिससे टीम संतुलन पर सवाल उठे थे। गिल के आने से सैमसन को मिडिल ऑर्डर में जाना पड़ा और रिंकू सिंह जैसे फिनिशर को भी कम मौके मिले।

टी20 में गिल का प्रदर्शन बना कारण

लगातार समर्थन मिलने के बावजूद शुभमन गिल टी20 में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए। 15 मैचों के प्रयोग में उन्होंने 24.25 की औसत और 137.26 के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए। चयनकर्ताओं और कोचिंग स्टाफ का सब्र आखिरकार जवाब दे गया, और उन्हें वर्ल्ड कप टीम से बाहर कर दिया गया।

आकाश चोपड़ा की वैकल्पिक टी20 वर्ल्ड कप टीम

मुख्य खिलाड़ी : यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर (कप्तान), ऋषभ पंत, जितेश शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, क्रुणाल पांड्या, दीपक चाहर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार।

बेंच : मोहम्मद शमी, केएल राहुल, विपराज निगम, शशांक सिंह।

बेंगलुरु ओपन 2026:

सुरेश को वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु ओपन 2026 का आयोजन 5 से 11 जनवरी, 2026 तक बेंगलुरु के एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होगा। यह टूर्नामेंट का दसवां एडिशन है।

टूर्नामेंट के लिए दक्षिणेश्वर सुरेश को वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है। वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने पर दक्षिणेश्वर सुरेश ने कहा, 'कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन की एक शानदार कोशिश रही है। बेंगलुरु ओपन एटीपी चैलेंजर में अपने घरेलू दर्शकों के सामने हिस्सा लेना मेरे लिए गर्व की बात है। इस टूर्नामेंट ने लगातार भारतीय खिलाड़ियों को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मौका दिया है। मैं समर्थन के लिए शुक्रगुजार हूं, और मैं कोर्ट पर अपना बेस्ट देना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि बेंगलुरु के फैंस मेरा उत्साह बढ़ाएंगे।' कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन के टूर्नामेंट निदेशक और संयुक्त सचिव सुनील यजमान ने कहा, 'यह मौका उभरती प्रतिभा का समर्थन करने और एटीपी चैलेंजर इवेंट में भारतीय मौजूदगी को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

हमें दक्षिणेश्वर सुरेश को बेंगलुरु ओपन के एकल मेन ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री देकर खुशी हो रही है। उन्होंने टूर पर खेले गए कुछ इवेंट्स में कामयाबी हासिल की है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ डेविस कप में भारत की जीत में भी उनका अहम रोल था। उन्होंने कहा कि हम दक्षिणेश्वर सुरेश को शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि इस इवेंट से उन्हें अपने सफर में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। 25 साल के दक्षिणेश्वर सुरेश भारत के उभरते हुए खिलाड़ी हैं। दक्षिणेश्वर ने सितंबर 2025 में स्विट्जरलैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। इस मैच में उन्हें जीत हासिल हुई थी।

अपने से उच्च रैंक वाले खिलाड़ी जेरोम किम को दक्षिणेश्वर ने 7-6(4), 6-3 से हराया था।

एशेज, मेलबर्न टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया 152 रन पर ऑलआउट, टंग को 5 विकेट, स्मिथ को बोल्ड किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट मेलबर्न में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन शुक्रवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में सिर्फ 152 रन पर ऑलआउट हो गई। बॉक्सिंग-डे टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और 91 रन तक उसके 6 विकेट गिर गए। टीम के आखिरी तीन विकेट बिना कोई रन जोड़े गिर गए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से माइकल नेसर ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए, जबकि उस्मान ख्वाजा ने 29 और एलेक्स कैरी ने 20 रन जोड़े। टीम के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इंग्लैंड की गेंदबाजी में जोश टंग सबसे सफल रहे और उन्होंने 5 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 2 विकेट मिले, जबकि ब्रायडन कार्स और कप्तान बेन स्टोक्स को 1-1 विकेट मिला।

कोर्ट पर आग, दिल में खालीपन...क्यों प्यार तलाश रही यह टेनिस स्टार ?

नई दिल्ली, एजेंसी। मेलबर्न पार्क में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 की वह शाम सिर्फ टेनिस की नहीं थी. हजारों दर्शकों की हूटिंग, कैमरों की बेरहम निगाहें और हर पॉइंट के साथ बढ़ता दबाव-- अमेरिका की टेनिस स्टार डैनिएल कॉलिन्स जैसे अकेले पूरी भीड़ से भिड़ रही थीं. सामने थीं ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों की पसंदीदा खिलाड़ी डेस्टनी आयावा, और पीछे घरेलू भीड़ का उग्र शोर, जो हर गलती पर ताना कस रहा था.

... लेकिन कॉलिन्स चुप रहने वालों में से नहीं

मैच जीतने के बाद उन्होंने जिस अंदाज में जश्न मनाया, उसने ऑस्ट्रेलियन ओपन की सबसे विवादित तस्वीर गढ़ दी. तंज भरी मुस्कान, दर्शकों की ओर उड़ता हुआ व्यंग्यात्मक किस और बेपरवाह आत्मविश्वास... यह सब ऑस्ट्रेलियाई फैन्स को उकसाने वाला लगा. पोस्ट-मैच इंटरव्यू में जब कॉलिन्स ने कहा कि टूर्नामेंट से मिली कमाई से वह 'फाइव-स्टार वेकेशन' पर जाएंगी, तो विवाद और गहरा गया. ... लेकिन कोर्ट पर 'विलेन' कही जाने वाली यह महिला अब एक बिल्कुल अलग सच साझा कर रही हैं. 31 साल की डैनिएल कॉलिन्स कहती हैं कि वह अब शादी करना चाहती हैं, परिवार बसाना चाहती हैं, लेकिन प्यार की तलाश उनके लिए आसान नहीं रही. शोहरत, पैसा और पहचान के बावजूद उनका निजी जीवन खालीपन से जूझ रहा है। उन्होंने माना कि उन्हें डेटिंग ऐप्स का सहारा लेना पड़ा है. सोशल मीडिया पर अनगिनत मैसेज आते हैं, लेकिन उनमें से ज्यादातर को वह किनारे कर देती हैं. 'यह सब किसी सुई को भूसे के ढेर में ढूंढने जैसा है...' वह कहती हैं. कॉलिन्स के मुताबिक, इसके पीछे एक असहज सच्चाई है- लैंगिक भेदभाव. उनका मानना है कि सफल पुरुषों के लिए विकल्प बढ़ते हैं, जबकि सफल महिलाओं के लिए वही कामयाबी रिश्तों की संभावनाओं को सीमित कर देती है. कॉलिन्स कहती हैं,'कई बार पुरुष सफल महिलाओं से असहज महसूस करते हैं.' उनके अनुभव में यह डर, यह झिझक- रिश्तों की राह में सबसे बड़ी रुकावट बन जाती है.

टूटा रिश्ता, बदला फैसला

हाल ही में कॉलिन्स का एक साल पुराना रिश्ता खत्म हुआ. वह 2024 में संन्यास लेकर परिवार शुरू करना चाहती थीं, लेकिन एंडोमेट्रियोसिस जैसी स्वास्थ्य समस्या ने उनके फैसले बदल दिए. शारीरिक दर्द और मानसिक अनिश्चितता के बावजूद उन्होंने करियर जारी रखने का फैसला किया.

'द बैचलरेट' तक का रास्ता?

प्यार की तलाश में कॉलिन्स ने मजाकिया लहजे में यह भी कहा कि अगर रकम सही हो, तो वह 'द बैचलरेट' जैसे रियलिटी शो में जाने पर विचार कर सकती हैं. हालांकि वह मानती हैं कि कैमरों के सामने कई लोगों को एक साथ डेट करना उनके स्वभाव के बिल्कुल खिलाफ है. 'मैं धीरे चलने वाली इंसान हूं,' वह कहती हैं...और शायद यही संकोच, यही सच्चाई, उन्हें सबसे ज्यादा मानवीय बनाती है.

सारा अर्जुन

उम्र के फासले पर उठी थीं उंगलियां मुकेश छाबड़ा के लिए लिखी दिल छू लेने वाली बात

एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने फिल्म धुरंधर में अपनी दमदार परफॉरमेंस से कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा को भावुक कर दिया, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री में शुरुआत से ही पहचाना और उन पर विश्वास जताया।

एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने फिल्म धुरंधर में अपनी दमदार परफॉरमेंस से कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा को भावुक कर दिया, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री में शुरुआत से ही पहचाना और उन पर विश्वास जताया। सारा ने मुकेश को अपनी जिंदगी का मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि उनके समर्थन और मुझ पर जताए विश्वास ने उनकी पूरी लाइफ को बदल दिया।सारा अर्जुन ने अपनी दमदार एक्टिंग से सभी का दिल जीत लिया है। फिल्म इंडस्ट्री से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह सारा की अदाकारी की जमकर तारीफ हो रही है। हालांकि, शुरुआत में उनकी कास्टिंग विवादों में थी, क्योंकि उनके और लीड एक्टर रणवीर सिंह की उम्र में करीब 20 साल का बड़ा फासला था। इस बड़े एज गैप की वजह से, ऑन-स्क्रीन रोमांस को लेकर लोगों ने सवाल उठाए थे।लेकिन, फिल्म की रिलीज के बाद, सारा ने अपनी परफॉर्मेंस से सभी आलोचनाओं को चुप करा दिया है और वह सिर्फ तारीफें बटोर रही हैं। इस चर्चा के बीच, सारा ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के लिए एक भावुक धन्यवाद नोट लिखा है। उन्होंने मुकेश को इस रोल के लिए उन्हें चुनने और दुनिया के नोटिस करने से पहले ही उन पर विश्वास जताने के लिए दिल से शुक्रिया कहा।

सारा का भावुक पोस्ट -

सारा ने इंस्टाग्राम पर धुरंधर के एक इवेंट की मुकेश के साथ अपनी तस्वीर शेयर की। उन्होंने नोट की शुरुआत में, मुकेश को वह इंसान बताया, जिसने उनकी जिंदगी का रुख बदल दिया। सारा ने लिखा, मेरे प्यारे मुकेश सर, कभी-कभी जिंदगी धीरे से आपके रास्ते में एक और मार्गदर्शक शख्स को ले आती है। मेरे लिए, वह शख्स आप हैं। दुनिया के नोटिस करने से पहले आपने मुझ पर विश्वास किया, और उस खामोश विश्वास ने सब कुछ बदल दिया। आपकी सहज बुद्धि, आपकी सोच और आपका दिल उस जादू को आकार देता है। आप वह देखते हैं जो अक्सर दूसरे लोग नहीं देख पाते। आप सिर्फ मौके नहीं देते। आप लोगों को बनने की जगह देते हैं।सारा ने यह भी बताया कि उनका जुनून उन्हें गहराई से प्रेरित करता है। उन्होंने मुकेश को धुरंधर में यालिना का रोल देने और मुश्किल पलों में सहारा देने के लिए धन्यवाद दिया।उन्होंने कहा, मैकडॉनल्ड्स के विज्ञापन से लेकर धुरंधर तक, यह सफर किसी आशीर्वाद से कम नहीं लगता। मैं हमेशा उस विश्वास का सम्मान करूंगी जो आपने मुझ पर किया।

मुकेश छाबड़ा का रिएक्शन-सारा के इस दिल छू लेने वाले नोट पर मुकेश छाबड़ा ने भी कमेंट किया, मुझे तो समझ ही नहीं आ रहा कि क्या कहूं। मैंने अभी-अभी आपकी पूरी पोस्ट पढ़ी है। मुझे अब भी आपका मेरे साथ पहला ऐड याद है, मैकडॉनल्ड्स का ऐड। और अब, आप यहाँ हैं, अपनी पहली पूरी फिल्म के साथ।

एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने फिल्म धुरंधर में अपनी दमदार परफॉरमेंस से कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा को भावुक कर दिया, जिन्होंने उन्हें इंडस्ट्री में शुरुआत से ही पहचाना और उन पर विश्वास जताया।

दमदार अदाकारी से छाप छोड़ते विनीत अस्थाना

टीवी से लेकर डिजिटल प्लेटफार्म तक दर्ज कराई अपनी सशक्त छवि

भारतीय मनोरंजन जगत में अपना मजबूत स्थान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे विनीत अस्थाना आज उन कलाकारों में शुमार हैं, जिन्होंने निरंतर मेहनत, समर्पण और बहुमुखी अभिनय क्षमता के दम पर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। टीवी शो, फिल्मों, शॉर्ट फिल्मों और विज्ञापनों में सक्रिय विनीत अपनी हर भूमिका में सच्चाई और गहराई जोड़ने के लिए पहचाने जाते हैं। विनीत ने लोकप्रिय पौराणिक सीरियल 'वीर हनुमान ङ्क बोलो बजरंग बली की जय' में सुबाहु (ताड़का का पुत्र) का किरदार निभाकर दर्शकों को प्रभावित किया। पौराणिक शैली में उनकी ग्रिप तब और मजबूत हुई जब उन्होंने सोनी टीवी और सोनी लिव के 'श्रीमद् रामायण' में कुम्भ (कुम्भकरण का पुत्र) बनकर शानदार प्रदर्शन किया। इस भूमिका ने उन्हें एक मजबूत और प्रभावशाली पौराणिक अभिनेता के रूप में स्थापित किया। इसके साथ ही उन्होंने कलर्स टीवी और जिओ हॉटस्टार पर प्रसारित 'लक्ष्मी नारायण' में शक्तासुर का किरदार निभाया, जिसमें उनकी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स और नेगेटिव शेड्स की पकड़ को दर्शकों ने खूब सराहा। विनीत के करियर को नई दिशा तब मिली जब उन्होंने नेटफ्लिक्स की एक क्राइम-ड्रामा सीरीज़ में विक्रम (डोलो) जैसा परतदार और ग्रे-शेड वाला किरदार निभाया। इसके अलावा प्रतिष्ठित टीवी शो सीआईडी में भी डोलो/विक्रम के रूप में उन्होंने अपनी गहरी छाप छोड़ी। सोशल मीडिया पर सक्रिय विनीत इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने प्रोजेक्ट्स, शूटिंग अनुभव और निजी जीवन की झलकियाँ नियमित रूप से साझा करते रहते हैं। उनका विस्तृत कार्य और फिल्मोग्राफी आईएमडीबी पर उपलब्ध है, जिसे दर्शक और निर्माता दोनों सराहते हैं। उभरते कलाकारों की सूची में तेजी से ऊपर बढ़ते विनीत अस्थाना अपनी मेहनत, समर्पण और हर किरदार में जान डाल देने की क्षमता के कारण आज इंडस्ट्री में एक भरोसेमंद, परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड और प्रभावशाली नाम बनते जा रहे हैं।

डिजिटल क्रिएशन पर बोलीं प्राजक्ता कोली- यहां कोई रोडमैप नहीं, रोलरकोस्टर है

यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने साफ कहा है कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है, बल्कि पिछले दस साल में यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, तेज और अनिश्चित हो गया है। आईएएनएस से बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि क्या सोशल मीडिया अब इन्फ्लुएंसर-डॉमिनेटेड हो गया है और कंटेंट क्रिएटर्स की शेल्फ लाइफ खत्म हो रही है, तो प्राजक्ता ने कहा, ÷मुझे बिल्कुल ऐसा नहीं लगता। यह कम नहीं हुआ है, बस बदल गया है। दस-ग्यारह साल पहले जब हमने काम शुरू किया था, तब सिर्फ लॉन्ग-फॉर्म वीडियो चलते थे। आज लोगों का अटेंशन बस बंट गया है। आज कई नए-नए प्लेटफॉर्म्स आ गए हैं।÷ प्राजक्ता ने साल 2017 के डिजिटल बूम को गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा, ÷उसी बूम की वजह से आज भारत में इतना काम है कि पहले से कहीं ज्यादा क्रिएटर्स मौजूद हैं। यही कारण है कि आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है। हर बड़ा ब्रांड, हर बड़ी कंपनी भारत की तरफ देख रही है और हमारे साथ काम करना चाहती है।÷क्रिएटर बनने की जर्नी को उन्होंने पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताया। प्राजक्ता ने कहा, ÷इस इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप या ब्लूप्रिंट नहीं होता। यह एक रोलरकोस्टर राइड है। कभी लगता है कि तीन-चार अच्छे वीडियो बन गए, जिंदगी सेट हो गई। फिर पांचवां वीडियो आते-आते सब बदल जाता है। इस पागलपन में कोई पैटर्न नहीं, कोई रिदम नहीं। सब कुछ खुद ही करना पड़ता है।÷उन्होंने यह भी माना कि पिछले दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को जल्दी अपनाना जरूरी है। उन्होंने बताया, ÷मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण रहा यह समझना कि इस समय कौन-सी चीज चल रही है, कौन सी चलनी बंद हो गई और फिर बिना रुके अगली चीज की तरफ बढ़ जाना।प्राजक्ता का मानना है कि डिजिटल स्पेस का सफर जितना चुनौतीपूर्ण है, उतना ही रोमांचक भी है। 'मोस्टलीसेन' चैनल से मशहूर हुई प्राजक्ता 'मिस्मैच्ड' और 'जुग जुग जीयो' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में भी नजर आ चुकी हैं।

गौरी मैम के किरदार पर उठे सवाल पर एक्ट्रेस ने दिया जवाब, कहा, यहां ग्लैमर नहीं मिलेगा

आदित्य धर की फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। कलेक्शन के मामले में यह फिल्म रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म के किरदारों को भी पसंद किया जा रहा है, लेकिन अब इसी फिल्म में रहमान डकैट की पत्नी का रोल प्ले करने वाली सौम्या टंडन, या पॉपुलर गौरी मैम, ने एक यूजर के कमेंट का जवाब दिया है, जिन्हें फिल्म में उनके किरदार का होना बेवजह लगा। सौम्या टंडन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर फिल्म और अपने किरदार पर बात करते हुए यूजर को दो टूक जवाब दिया। यूजर ने सौम्या टंडन की फिल्म के स्क्रीनशॉट को शेयर कर लिखा, ÷दोनों ही अभिनेत्रियां पुरुषों को थप्पड़ मारती हैं और वे कोई प्रतिक्रिया भी नहीं देते। इन दोनों महिलाओं ने तो धुरंधर भी नहीं देखी होगी, लेकिन हमेशा की तरह महिला कार्ड खेलने के लिए बेकार बातें कर रही है, जिसका फिल्म से कोई लेना-देना नहीं है।÷ यूजर की कमेंट का जवाब देते हुए सौम्या टंडने ने लिखा, ÷धुरंधर की कहानी जिस दुनिया में घटित होती है और निर्देशक ने जिस तरह के सामाजिक मानदंडों को दर्शाया है, वह पुरुष प्रधान दुनिया है, फिर भी महिलाओं के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाता है। उन्हें पीटा नहीं जाता, वस्तु की तरह नहीं देखा जाता, और न ही उन्हें कई पत्नियों में से एक के रूप में दिखाया जाता है, जबकि उस समाज में ऐसा संभव हो सकता था।उन्होंने आगे तंज कसते हुए लिखा, मुझे खेद है कि इस कहानी में ग्लैमरस तरीके से एक्ट्रेसेस को विदेशी समुद्र तटों पर डांस करते नहीं दिखाया गया। ये बाकी फिल्मों में चलता होगा, लेकिन इसमें नहीं। फिर भी, एक अभिनेत्री के रूप में, मैं आशा करती हूं कि मुझे भी महिला-केंद्रित कहानियों का हिस्सा बनने का मौका मिले।सौम्या टंडन ने फिल्म धुरंधर में अक्षय खन्ना की पत्नी का रोल प्ले किया है, जो फिल्म में उन्हें थप्पड़ मारने से भी परहेज नहीं करती हैं। फिल्म में उनका रोल बहुत छोटा है, और उनके और अक्षय खन्ना के बीच में गजब की रोमांटिक केमिस्ट्री को दिखाया गया है। टीवी से निकलकर फिल्मों में कदम रखना ही उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट है, और अब वे और अच्छे रोल की तलाश में भी हैं।

बता दें कि टीवी शो भाभी जी घर पर हैं में भी एक्ट्रेस ने शो को अलविदा इसलिए कहा था क्योंकि वे सालों से एक ही किरदार में थीं। शो छोड़ने पर सौम्या ने कहा था कि वे अपने करियर में अलग-अलग किरदार करना चाहती हैं और इस शो में रहकर ये पॉसिबल नहीं है।

निमृत कौर अहलूवालिया

ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार, हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग पूरी

लोकप्रिय टीवी एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया पहले ही छोटी सरदारनी सीरियल से छा चुकी हैं। उन्हें हाल ही में पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया है, जिसमें वे बब्बू मान और गुरु रंधावा के साथ देखी गई थीं, लेकिन अब अभिनेत्री ओटीटी पर भी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग भी पूरी कर ली है। अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में फिल्म के पर्दे के पीछे की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, जिनमें संजय कपूर, शाहीर शेख, मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा, हर्मन सिंघा और आशीमा वरदान जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे जल्द ही एक हिंदी वेबसीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी डेब्यू होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस से खास बातचीत में बताया कि ÷ये प्रोजेक्ट निमृत के अब तक के सबसे प्रॉमिसिंग प्रोजेक्ट्स में से एक है। पर्दे पर उनका किरदार अपनी भावनात्मक गहराई और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की ताकत रखता है। शूटिंग पूरी हो चुकी है। मुंबई और पंजाब में शूटिंग हुई है। हालांकि अभी रिलीज की तारीख और फिल्म से जुड़ी जानकारियों को गुप्त रखा गया है। निमृत कौर अहलूवालिया को आखिरी बार फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया, जो पर्दे पर 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रतन ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मेंद्र बताओली ने किया है। शौंकी सरदार में भरपूर एक्शन और कॉमेडी देखने को मिली। दर्शकों ने भी फिल्म को मिला-जुला रेस्पॉन्स दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। इसके अलावा एक्ट्रेस म्यूजिक वीडियो भी कर चुकी हैं। टीवी में अपना करियर शुरू करने से पहले साल 2018 में निमृत कौर अहलूवालिया ने फेमिना मिस मणिपुर का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्हें पहला ब्रेक बी प्राक के म्यूजिक वीडियो मस्तानी में मिला था। ये गाना सुपरहिट साबित हुआ, लेकिन एक्ट्रेस को खास पहचान नहीं मिली, लेकिन साल 2019 में वे छोटी सरदारनी सीरियल में बतौर लीड रोल में दिखीं।एक्ट्रेस ने टीवी के कई रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वे साल 2022 से 2023 तक बिग बॉस 16 में दिखीं और उसके बाद साल 2024 में रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आईं।

संक्षिप्त समाचार

भागवत बोले-भारत को सुपरपावर ही नहीं, विश्वगुरु भी बनना चाहिए

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत आंध्र प्रदेश के तिरुपति दौरे पर हैं। भारतीय विज्ञान सम्मेलन (BVS) में उद्घाटन कार्यक्रम में शुक्रवार को भागवत ने कहा- भारत का आगे बढ़ना तय है। लेकिन हमें सिर्फ सुपरपावर ही नहीं, बल्कि विश्वगुरु भी बनना चाहिए। मोहन भागवत ने कहा कि धर्म और विज्ञान में कोई टकराव नहीं है। बस उनके रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही है। हमारे विकास की सोच का आधार धर्म है। धर्म सिर्फ मजहब नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और ब्रह्मांड के चलने का तरीका है। इससे पहले आरएसएस चीफ ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन किए। तिरुपति टाउनशिप के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पुजारियों ने उन्हें रेशमी कपड़े पहनाकर सम्मानित किया।

लखनऊ में कार-स्कूटी वाले गमले चुरा ले गए

लखनऊ। लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल से कार और स्कूटी सवार गमले चुरा ले गए। अब इनके खिलाफ FIR दर्ज की जाएगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गमलों की सुरक्षा के लिए 30 कर्मचारी तैनात कर दिए हैं। पुलिस भी तैनात है। लखनऊ विकास प्राधिकरण गमलों को हटवा भी रहा है। बावजूद इसके लोग गमला चुराकर ले जा रहे हैं। पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही है, लेकिन लोग मान नहीं रहे हैं। बच्चे भी गमला चुराकर भाग रहे हैं। हालांकि, पुलिस अब सख्ती दिखा रही है। किसी को भी गमलों के पास रुकने नहीं दे रही है। दरअसल, गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रेरणा स्थल और उसके आसपास के इलाके को फूलों से सजाया गया। पीएम के जाने के कुछ घंटे बाद ही लोगों ने सजावट में लगे गमले चोरी कर लिए। मौके पर पुलिसवाले भी मौजूद थे, लेकिन उन्होंने किसी को रोका नहीं और मुस्कुराते हुए खड़े नजर आए। एक गमले की कीमत करीब 100 रुपए बताई जा रही है। 1 महीने पहले सीएम योगी ने G-20 के बाद चोरी हुए गमलों को लेकर लोगों को चेताया था। कहा था- लोग मर्सिडीज से गमले उठाकर ले गए थे, ऐसी हरकत न करें।

मद्रास हाईकोर्ट बोला-भारत में बच्चों के लिए सोशल-मीडिया बैन हो

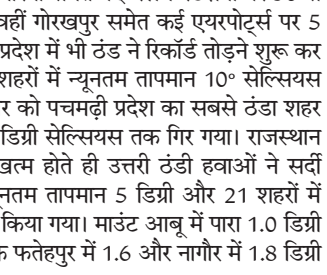

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को सुझाव दिया कि ऑस्ट्रेलिया की तरह भारत में भी 16 साल से कम उम्र वालों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई जाए। कोर्ट ने कहा कि इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने यह बात नाबालिगों को ऑनलाइन पोर्नोग्राफिक कंटेंट आसानी से मिल जाने के मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कही। याचिकाकर्ता एस विजयकुमार के वकील केपीएस पलानीवेल राजन ने ऑस्ट्रेलिया के नए कानून का हवाला दिया था। कोर्ट ने कहा कि इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स (ISP) पर और सख्त नियम लागू किए जाएं। उन्हें अनिवार्य रूप से पैरेंटल विंडो सर्विस (पैरेंटल कंट्रोल) देने के लिए कहा जाए, जिससे माता-पिता अपने बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटी को फिल्टर और कंट्रोल कर सकें। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया ने 9 दिसंबर से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अकाउंट बनाने पर बैन कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस तरह का बैन लगाने वाला दुनिया का पहला देश है। यह मामला एक पुरानी जनहित याचिका से जुड़ा है। इसमें शिकायत की गई थी कि बच्चों को इंटरनेट पर अश्लील और पोर्नोग्राफिक कंटेंट बहुत आसानी से मिल जाता है। याचिका में मांग की गई थी कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR), तमिलनाडु बाल अधिकार आयोग और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स को निर्देश दिया जाए कि वे पैरेंटल कंट्रोल सिस्टम लागू करें और स्कूलों व समाज में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं।

22 राज्यों में तेज सर्दी-कोहरा, यूपी में जीरो विजिबिलिटी

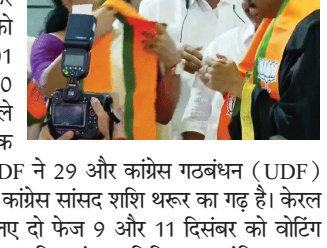

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। देशभर में सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। यूपी-एमपी, राजस्थान समेत 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में तेज ठंड और घना कोहरा हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो दिनों में ठंड और कोहरा और ज्यादा बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश में हालात सबसे ज्यादा खराब बने हुए हैं। यूपी में कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या समेत 27 जिलों में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे कई जगहों पर विजिबिलिटी जीरो हो गई। सड़कों पर कुछ मीटर आगे भी दिखाई नहीं दे रहा। प्रयागराज, देवरिया समेत कई रेलवे स्टेशनों पर 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं। वहीं गोरखपुर समेत कई एयरपोर्ट्स पर 5 फ्लाइट्स कैंसिल हैं। इधर, मध्य प्रदेश में भी ठंड ने रिकॉर्ड तोड़ने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के 25 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान 10° सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। गुरुवार को पचमढ़ी प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर खत्म होते ही उत्तरी ठंडी हवाओं ने सर्दी और बढ़ा दी है। 4 शहरों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री और 21 शहरों में 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। माउंट आबू में पारा 1.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि फतेहपुर में 1.6 और नागौर में 1.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

केरल में पहली बार भाजपा का मेयर बना

तिरुवनंतपुरम। केरल में पहली बार भाजपा का मेयर चुना गया है। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में शुक्रवार को हुए मेयर चुनाव में भाजपा के वीवी राजेश को 51 वोट मिले। जिसमें एक निर्दलीय पार्षद का समर्थन भी शामिल था। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) के पी शिवाजी को 29 वोट, जबकि कांग्रेस गठबंधन (UDF) उम्मीदवार केएस सबरिनाथन को 19 वोट मिले। जिनमें से दो को बाद में अमान्य घोषित कर दिया गया। दरअसल 9 दिसंबर को तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों का रिजल्ट आया था। 50 वार्डों पर भाजपा जीती थी। पिछले 45 साल से यहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (LDF) का कब्जा था। LDF ने 29 और कांग्रेस गठबंधन (UDF) ने 19 वार्ड जीते थे। तिरुवनंतपुरम कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गढ़ है। केरल के 1,199 स्थानीय निकायों के लिए दो फेज 9 और 11 दिसंबर को वोटिंग हुई थी। इनमें 6 कॉर्पोरेशन, 86 नगर पालिकाएं, 14 डिस्ट्रिक्ट काउंसिल, 152 ब्लॉक पंचायत और 941 ग्राम पंचायतें शामिल हैं। राज्य के छह नगर निगमों (कॉर्पोरेशन) में से यूडीएफ ने चार जीते, जबकि एलडीएफ और बीजेपी को एक-एक जीत मिली थी। कोल्लम कॉर्पोरेशन में, यूडीएफ के एके हफीज मेयर चुने गए, जबकि कोच्चि कॉर्पोरेशन में यूडीएफ पार्षद वीके मिनिमोल, जो चार बार की पार्षद हैं उन्हें मेयर चुना गया। त्रिशूर कॉर्पोरेशन में यूडीएफ की डॉ. निजि जस्टिन मेयर चुनी गईं। एक अन्य पार्षद लाली जेम्स ने आरोप लगाया कि पार्टी नेताओं ने उनसे रिश्वत ली फिर भी उन्हें यह पद नहीं दिया गया। कोझिकोड कॉर्पोरेशन में एलडीएफ ने अधिकांश वार्ड जीते जबकि कन्नूर कॉर्पोरेशन में, यूडीएफ उम्मीदवार पी इंदिरा मेयर चुनी जाएंगी।

भारत बोला-बांग्लादेश में हिंदू की हत्या नजरअंदाज नहीं कर सकते

एजेंसी, नई दिल्ली

- विदेश मंत्रालय बोला- हत्यारों को जल्द सजा मिले, भगोड़े ललित मोदी-माल्या को वापस लाएंगे

भारत ने बांग्लादेश में जारी अशांति और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जायसवाल ने कहा, "हम ढाका में हिंदू युवक की हत्या की निंदा करते हैं और उम्मीद करते हैं कि अपराधियों को जल्द से जल्द सजा मिलेगी।" विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि सरकार ललित मोदी और विजय माल्या को वापस लाने के लिए काम कर रही है। जायसवाल ने बांग्लादेश में निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की है जायसवाल ने कहा, 'भारत ने बांग्लादेश में फैलाई जा रही भारत-विरोधी झूठी कहानी को खारिज करता आया है। वहां कानून-व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है।' उन्होंने बताया कि अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,900 से अधिक घटनाएं दर्ज की गई हैं।

इन घटनाओं को महज मीडिया की बयानबाजी या राजनीतिक हिंसा कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। जायसवाल ने आगे कहा, "भारत बांग्लादेश के लोगों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम लगातार बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की मांग करते रहे हैं।" उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय बांग्लादेश में हो रही घटनाओं पर नजर रख रहा है और इन मामलों को बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ उठाया भी जा रहा है।

पाकिस्तान ने एलओसी पर एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किए

- तीन सेक्टरों में डिप्लॉयमेंट की भारत से ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई का डर

एजेंसी, इस्लामाबाद

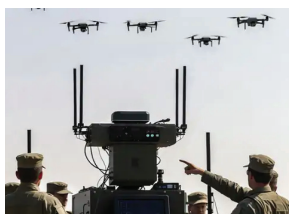

पाकिस्तान ने पाक-अधिकृत कश्मीर (PoK) में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात कर दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक नए काउंटर-अनमैन्ड एरियल सिस्टम (C-UAS) रावलकोट, कोटली और भिंबर सेक्टर में लगाए गए हैं। काउंटर-अनमैन्ड एरियल सिस्टम (C-UAS) वह तकनीक है, जो दुश्मन के ड्रोन को पहचानने, ट्रैक करने और उन्हें जैम या मार गिराने के लिए इस्तेमाल की जाती है। पाकिस्तानी सेना को आशंका है कि भारत फिर से ऑपरेशन सिंदूर जैसा कदम उठा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ने LoC पर 30 से ज्यादा खास एंटी-ड्रोन यूनिट्स तैनात की हैं। ये तैनाती मुरी की 12वीं इन्फैंट्री डिवीजन और 23वीं इन्फैंट्री डिवीजन ने की हैं, जो कोटली–भिंबर इलाके की ब्रिगेड्स को संभालती हैं। इसका मकसद LoC के पास हवाई निगरानी और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमता मजबूत करना है। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद LoC और बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। (फाइल फोटो) पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद LoC और बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। स्पाइडर एंटी-ड्रोन सिस्टम रेडियो फ्रीक्वेंसी के जरिए ड्रोन का पता लगाता है और करीब 10 किलोमीटर तक छोटे ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन पहचान सकता है। यह पोर्टेबल और वाहन-माउंटेड दोनों रूपों में उपलब्ध है।

बांग्लादेश के ढाका यूनिवर्सिटी में भारत विरोधी प्रदर्शन

- हादी के हत्यारे को सजा देने की मांग, बांग्लादेशी हिंदू की हत्या मामले में 6 और गिरफ्तार

एजेंसी, इस्लामाबाद

बांग्लादेश में एक बार फिर भारत विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इंकिलाब मंच ने नेता उस्मान हादी की हत्या के खिलाफ न्याय की मांग करते हुए ढाका के शाहबाग इलाके में प्रदर्शन किया। इस दौरान भारत विरोधी नारे भी लगाए गए। जुमा की नमाज के बाद ढाका यूनिवर्सिटी से जुलूस निकाला गया, जो शाहबाग पहुंचकर धरने में बदल गया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर दी, जिससे इलाके में यातायात ठप हो गया। इंकिलाब मंच का कहना है कि जब तक हादी की हत्या में न्याय नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। शरीफ उस्मान हादी की पिछले हफ्ते हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद देश में एक बार फिर अशांति फैल गई है। प्रदर्शन के दौरान 'आई एम हादी' जैसे नारे गूंजते रहे। ढाका यूनिवर्सिटी वही जगह है, जहां जुलाई 2024 में हुए आंदोलन की रणनीति बनी थी।

बांग्लादेशी हिंदू की हत्या मामले में 6 और गिरफ्तार: बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में पुलिस ने छह और लोगों को गिरफ्तार किया है।

यह गिरफ्तारी मयमनसिंह जिले के भालुका इलाके में छापेमारी के दौरान हुई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, इन लोगों पर आरोप है कि वे दीपू दास पर अपनी नौकरी छोड़ने का दबाव बना रहे थे। इस मामले में अब तक कुल 18 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। दीपू चंद्र दास की 18 दिसंबर को भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद हमलावरों ने उन्हें एक पेड़ से आग भी लगा दी थी। इस घटना के बाद अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया था।

यूएई प्रेसिडेंट पाकिस्तान पहुंचे, शहबाज-मुनीर स्वागत करने एयरपोर्ट आए

एजेंसी, इस्लामाबाद/ अबू धाबी

- ट्रेड-एनर्जी पर डील संभव, पाक को सऊदी जैसा रक्षा समझौता होने की उम्मीद

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान शुक्रवार को पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे हैं। PM शहबाज शरीफ और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस आसिम मुनीर UAE प्रेसिडेंट को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे। यह इस साल उनकी पाकिस्तान की दूसरी यात्रा है। इससे पहले जनवरी 2025 में वे रहीम यार खान में निजी यात्रा के दौरान शहबाज से मुलाकात कर चुके हैं। हालांकि राष्ट्रपति के रूप में उनकी पहली आधिकारिक पाकिस्तान यात्रा है। विदेश कार्यालय के एक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति अल नाहयान प्रधानमंत्री शहबाज के साथ द्विपक्षीय संबंधों के पहलुओं की समीक्षा करेंगे। क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह दौरा दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे भाईचारे को और मजबूत करने का अच्छा मौका है। साथ ही व्यापार, निवेश, ऊर्जा, विकास और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में समझौते हो सकते हैं।

UAE में 19 लाख पाकिस्तानी प्रवासी रहते हैं: बुधवार को इस्लामाबाद जिला प्रशासन ने यात्रा के दिन यानी आज पूरी राजधानी में छुट्टी की घोषणा की। पाकिस्तान और UAE के बीच गहरे राजनयिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। जो UAE में रहने वाले बड़ी पाकिस्तानी प्रवासी आबादी के कारण और मजबूत हुए हैं। UAE पाकिस्तान का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और रेमिटेंस का बड़ा स्रोत भी। UAE में पाकिस्तानी प्रवासियों की संख्या लगभग 1.7 से 1.9 मिलियन (यानी 17 से 19 लाख) के बीच है। ये पाकिस्तानी मुख्य रूप से निर्माण, व्यापार, सेवा क्षेत्र, बैंकिंग, आईटी और अन्य पेशों में काम करते हैं। वे भारतीयों के बाद UAE में दूसरी सबसे बड़ी प्रवासी समुदाय हैं और देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। हर साल हजारों नए पाकिस्तानी काम की तलाश में UAE आते हैं, जिससे यह संख्या बढ़ती रहती है।

अप्रैल में UAE-पाकिस्तान के बीच तीन समझौते हुए थे: दोनों देश रक्षा, ऊर्जा और निवेश परियोजनाओं में सहयोग करते हैं। UAE अक्सर पाकिस्तान को वित्तीय सहायता और मानवीय मदद प्रदान करता है। इस साल अप्रैल में दोनों देशों ने संस्कृति, कांसुलर मामलों और व्यापार परिषद स्थापित करने संबंधी तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए थे। UAE प्रेसिडेंट पाकिस्तान में अरबों डॉलर का निवेश कर सकते हैं पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक शेख मोहम्मद बिन जायद की विदेश नीति सुरक्षा पर केंद्रित होती है और वे संस्थाओं की मजबूती पर जोर देते हैं। वे पाकिस्तान में फैसले लेने की प्रक्रिया कितनी स्पष्ट और मजबूत हैं, देश के अंदर कितनी स्थिरता है और क्षेत्रीय खतरों से निपटने की क्षमता कितनी है इन सबका बारीकी से आकलन करेंगे।

अगर उन्हें पाकिस्तान में अच्छी व्यवस्था, अनुशासन और स्थिरता नजर आई, तो वे ऊर्जा, बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई), खनिज और रक्षा से जुड़े क्षेत्रों में अरबों डॉलर का निवेश कर सकते हैं। UAE और पाकिस्तान के बीच सऊदी अरब जैसा मजबूत म्यूचुअल डिफेंस पैक्ट (जिसमें एक देश पर हमला दूसरे पर हमला माना जाए) होने की फिलहाल कोई खबर नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया की चेतावनी- भारत में मिल रही नकली रेबीज वैक्सीन

एजेंसी, इस्लामाबाद

- देश में हर साल 20,000 लोगों की मौतें

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में वैक्सीन के लिए काम करने वाली सरकार की संस्थान ऑस्ट्रेलियन टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन (ATAGI) ने शुक्रवार को भारत में इस्तेमाल होने वाली रेबीज वैक्सीन के लिए चेतावनी जारी की है। ये चेतावनी ABHAYRAB ब्रांड के लिए जारी की गई है। चेतावनी में कहा गया है ABHAYRAB ब्रांड की वैक्सीन नकली है और रेबीज बीमारी के लिए फायदेमंद नहीं है। नंवबर 2023 से ये नकली वैक्सीन सप्लाई हो रही है। ATAGI के मुताबिक नकली वैक्सीन में सही मात्रा में एक्टिव इंग्रीडिएंट नहीं हैं। ABHAYRAB का इस्तेमाल ऑस्ट्रेलिया में नहीं होता है, इसलिए यह एडवाइजरी मुख्य रूप से उन यात्रियों के लिए है जिन्होंने नवंबर 2023 के बाद भारत में वैक्सीन लगवाई थी। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने ऐसे लोगों को सलाह दी है कि वे उन डोज को संभावित रूप से अमान्य मानें और उन्हें Rabipur या Verorab जैसी रजिस्टर्ड वैक्सीन से बदलें।

ऑस्ट्रेलियाई चेतावनी भारत के लिए क्यों अहम है?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मुताबिक, भारत में हर साल अनुमानित 18,000 से 20,000 लोगों की मौत रेबीज से होती है। इनमें अधिकांश मामलों में कारण कुत्तों का काटना होता है। औसतन हर 30 मिनट में एक मौत दर्ज होती है।

रेबीज के लक्षण सामने आने के बाद यह बीमारी लगभग हमेशा जानलेवा साबित होती है और इसका कोई भरोसेमंद इलाज नहीं है।

मरीज का बचना पूरी तरह समय पर और सही पोस्ट-एक्सपोजर ट्रीटमेंट पर निर्भर करता है।

इसमें घाव को तुरंत और अच्छी तरह धोना, तय शेड्यूल के अनुसार सही वैक्सीन लगवाना और गंभीर मामलों में रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिन (RIG) देना शामिल है।

हाल ही में ठाणे में छह साल की बच्ची की रेबीज से मौत हुई: महाराष्ट्र के ठाणे में छह साल की एक बच्ची की हालिया मौत के मामले ने रेबीज रोकथाम में मौजूद खामियों को उजागर किया है। बताया गया कि बच्ची को वैक्सीन की चार डोज दी गई थीं, फिर भी उसकी मौत हो गई। मामले की जांच जारी है। इस केस में शामिल डॉक्टरों के बयान अलग-अलग रहे हैं।

कोलकाता में हिंदू संगठनों की बांग्लादेश डिप्टी हाई-कमीशन तक रैली

एजेंसी, कोलकाता

बांग्लादेश में हिंदू युवकों की हत्या और अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों के विरोध में देशभर में प्रदर्शन जारी हैं। शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश डिप्टी हाई कमीशन तक रैली निकाली और उसके सामने प्रदर्शन किया। इस रैली में बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी भी 1000 साधु-संतों के साथ शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कई संत डिप्टी हाई कमीशन के बाहर धरने पर बैठ गए। स्थिति को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने छह सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। मांगों में दीपु चंद्र दास की लिंचिंग के दोषियों और लापरवाह पुलिसकर्मियों को कड़ी सजा देने, अल्पसंख्यक समुदाय और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई शामिल है। दरअसल बांग्लादेश के ढाका में 18 दिसंबर को दीपू चंद्र दास और 24 दिसंबर को बांग्लादेश के राजबाड़ी अमृत मंडल नाम के युवकों की भीड़ ने हत्या कर दी थी। अमृत को भीड़ ने जबरन वसूली के आरोप में मार डाला।

हाईकोर्ट ने पूछा-एयर प्यूरीफायर पर जीएसटी क्यों नहीं घटा सकते, केंद्र बोला- कोई मोनोपॉली चाहता है

- किसी के कहने पर टैक्स नहीं घटाएंगे

एजेंसी, इस्लामाबाद

दिल्ली में शुक्रवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 310 दर्ज हुआ। शहर के करीब 24 AQI मॉनिटरिंग स्टेशनों पर हवा बेहद खराब थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एयर प्यूरीफायर पर गुड्स एंड सर्विस टैक्स (GST) 18% से घटाकर 5% करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान जस्टिस विकास महाजन और जस्टिस विनोद कुमार की बेंच ने केंद्र से पूछा कि एयर प्यूरीफायर पर GST क्यों नहीं घटा सकते। हाईकोर्ट ने सरकार से कहा- आपको जो भी करना पड़े, कीजिए। फिलहाल एक एयर प्यूरीफायर की कीमत 10-15 हजार रुपए है। GST को एक ऐसे उचित स्तर पर क्यों नहीं लाया जाता, जहां एक आम आदमी भी इसे खरीद सके। केंद्र की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ASG) एन. वेंकटरमण ने याचिका पर ही सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा- कोई एयर प्यूरीफायर सेक्टर में मोनोपोली चाहता है।

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- भारत रत्न और पद्म अवॉर्ड उपाधि नहीं, इसे नाम के आगे या पीछे नहीं लगा सकते, ऐसा करना कानूनी तौर पर गलत

एजेंसी, इस्लामाबाद

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि भारत रत्न, पद्म श्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण जैसे नागरिक सम्मान कोई उपाधि (टाइटल) नहीं हैं। ऐसे में इन्हें किसी के नाम के आगे या पीछे नहीं लगाया जा सकता है। कोर्ट ने यह बात बुधवार को एक याचिका के केस टाइटल में पद्म श्री लिखे जाने पर की। दरअसल जस्टिस सोमशेखर सुंदरेसन की बेंच याचिका की सुनवाई कर रही थी। इसमें 2004 में पद्म श्री से सम्मानित डॉ. शरद मोरेश्वर हार्डिकर भी एक पक्षकार थे। केस टाइटल में उनका नाम पद्म श्री डॉ. शरद मोरेश्वर हार्डिकर लिखा गया था। इस पर जज ने आपत्ति जताई। साथ ही कहा कि कानून के अनुसार ऐसा करना गलत है।

सुप्रीम कोर्ट के 1995 के फैसले का हवाला: हाईकोर्ट ने 1995 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले का जिक्र किया। उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पद्म पुरस्कार और भारत रत्न उपाधि नहीं हैं और इन्हें नाम के आगे या पीछे इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस सुंदरेसन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला संविधान के अनुच्छेद 141 के तहत सभी पर लागू होता है। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि आगे की कानूनी कार्यवाही में सभी पक्ष और अदालतें इस नियम का पालन करें।

3 श्रेणियों में दिया जाता है पद्म पुरस्कार: देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण में प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार कला, समाज सेवा, साइंस, इंजीनियरिंग, बिजनेस, इंडस्ट्री, चिकित्सा, साहित्य, शिक्षा, खेल और सिविल सेवा जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com